▸▸ वर्ष : 35 ▸▸ अंक : 20 ▸▸ मुंबई, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

कैसे करें e-KYC अपडेट पोर्टल से गायब है लिंक?

महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति एस तटकरे ने एक दिन पहले ही ऐलान किया था कि ईकेवाईसी अपडेट करने की तारीख को बढ़ाकर 30 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। उन्होंने कहा था कि बारिश-ओले की वजह से बहुत सी महिलाएं इस काम को नहीं कर पाई हैं। इसलिए ईकेवाईसी अपडेट की तारीख को बढ़ा दिया गया है। हालांकि अभी लाडकी बहिण योजना के पोर्टल पर ईकेवाईसी का लिंक अपडेट नहीं हुआ है। उम्मीद है कि जल्द ही यह लिंक अपडेट हो जाएगा। आप चाहें तो नजदीक के CSC सेंटर या महिला एवं बाल विकास ऑफिस जाकर इस काम को करा सकते हैं। नवंबर 2025 से ई-केवाईसी प्रक्रिया को कई बार बढ़ाया जा चुका है। सरकार लाभार्थियों को हर महीने लगभग 3,700 करोड़ रुपये वितरित करती है। इसमें प्रत्येक पात्र महिला को 1,500 रुपये मिलते हैं। सक्रिय खातों में कमी के कारण, खर्च में बदलाव होने की उम्मीद है।

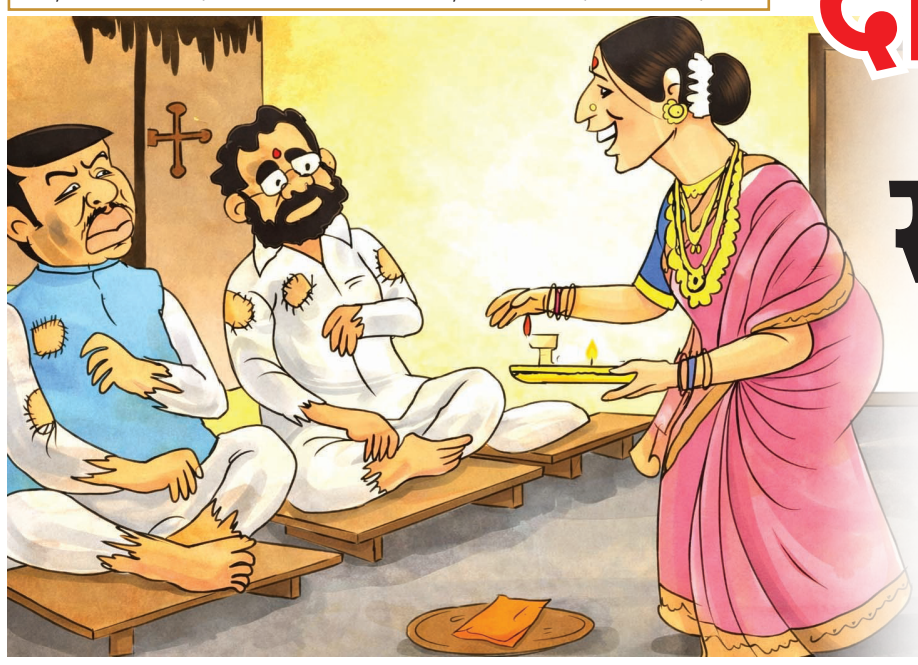

सरकारी खजाने को भारी चपत

- 71 लाख अपात्र महिलाओं ने हजम किए 21 हजार करोड़
- नवंबर 2024 से अब तक गलत तरीके से बंटती रही रकम

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में 'मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना' को लेकर एक बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। राज्य सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में 71 लाख महिलाओं के अपात्र होने की खबर ने हड़कंप मचा दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन महिलाओं को पिछले 20 महीनों से लगातार आर्थिक सहायता मिलती रही, जिससे सरकारी खजाने पर 21,300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा है।

मंत्री अदिति तटकरे ने मानी गड़बड़ी की बात

आंकड़ों के मुताबिक, इन 71 लाख अपात्र महिलाओं को हर महीने करीब 1,065 करोड़ रुपये दिए जा रहे थे। पिछले 20 महीनों के दौरान यह राशि जुड़कर 21,300 करोड़ रुपये हो गई। यह वह पैसा है जो राज्य के विकास कार्यों में खर्च हो सकता था, लेकिन प्रशासनिक ढिलाई की भेंट चढ़ गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री आदिती तटकरे ने स्वीकार किया है कि इतनी बड़ी संख्या में अपात्र लोगों ने योजना का लाभ लिया है। सरकार ने अब नरमी बरतते हुए इन महिलाओं को 30 अप्रैल 2026 तक अपनी ई-केवाईसी पूरी करने या अपनी पात्रता साबित करने का अंतिम मौका दिया है। इसके बाद उनके खाते पूरी तरह बंद कर दिए जाएंगे।

बिना जांच के बांटे पैसे, अब बढ़ी मुसीबत

जुलाई 2024 में जब महायुति सरकार ने इस योजना की शुरुआत की थी, तब लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। सरकार को 2.47 करोड़ आवेदन मिले और बिना किसी प्रारंभिक कड़ी जांच के सभी के खातों में 1,500 रुपये प्रति माह ट्रांसफर करना शुरू कर दिया गया। इसी जल्दबाजी ने धांधली का रास्ता साफ कर दिया।

ई-केवाईसी ने खोली पोल

जब खजाने पर दबाव बढ़ा, तो नवंबर 2024 से लाभार्थियों का सत्यापन शुरू हुआ। जांच में सामने आया कि कुल 1.90 करोड़ महिलाओं ने ई-केवाईसी प्रक्रिया में भाग लिया। इनमें से केवल 1.75 करोड़ महिलाएं ही नियमों के हिसाब से पात्र पाई गईं। करीब 71 लाख महिलाएं अपात्र निकलीं, जो नियमों को ताक पर रखकर लाभ ले रही थीं।

मुंबई में अब 300 वर्ग फुट से छोटा घर नहीं

- बालासाहेब ठाकरे अभियान को मिली हरी झंडी
- एसआरए प्रोजेक्ट्स में अब मिलेगा ज्यादा स्पेस

दीपक पवार । मुंबई

मुंबई को पूरी तरह 'झोपड़ा मुक्त' बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 'हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे शहरी लोककल्याण अभियान' लागू करने का फैसला किया है। गृहनिर्माण विभाग द्वारा जारी इस नए शासनादेश के तहत अब झुग्गीवासियों को न केवल बड़े घर मिलेंगे, बल्कि नई झोपड़ियों के निर्माण पर सैटेलाइट के जरिए पैनी नजर भी रखी जाएगी। मुंबई में पहले एसआरए (SRA) के तहत 180, 225 और 269 वर्ग फुट के छोटे घर दिए जाते थे। लेकिन अब सरकार ने नियम बदल दिया है। विकास नियंत्रण नियमावली 2034 और प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर, अब हर झोपड़ा धारक को न्यूनतम 300 वर्ग फुट का घर मिलना अनिवार्य होगा।

बड़े भूखंडों का कायाकल्प

सरकार ने 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र वाले उन बड़े भूखंडों पर 'झोपड़पट्टी समूह पुनर्विकास योजना' (Cluster Development) को प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है, जहाँ 51% से अधिक झोपड़ियाँ हैं। इसके लिए बायोमेट्रिक सर्वेक्षण किया जाएगा और संबंधित सरकारी विभागों से एनओसी (NOC) लेकर प्रस्ताव उच्चस्तरीय समिति को भेजा जाएगा।

ऊंची इमारतों के लिए भारी रखरखाव शुल्क

अक्सर देखा गया है कि एसआरए की ऊंची इमारतों में लिफ्ट और अन्य सुविधाओं के रखरखाव के लिए 40 हजार रुपये का शुल्क कम पड़ता था। अब सरकार ने इसे इमारतों की ऊंचाई के हिसाब से बढ़ा दिया है:

- 70 मीटर तक की इमारतः प्रति घर 1 लाख रुपये।
- 70 से 120 मीटर तकः प्रति घर 2 लाख रुपये।
- 120 मीटर से अधिकः प्रति घर 3 लाख रुपये (बिल्डरों को जमा करना होगा)।

नेत्रम प्रणाली रखेगी हर गतिविधि पर नजर

मुंबई महानगर क्षेत्र में अब नई झोपड़ियाँ बनाना नामुमकिन होगा। सरकार 'नेत्रम' प्रणाली का इस्तेमाल करेगी, जो उपग्रह (Satellite) डेटा और जीआईएस (GIS) तकनीक पर आधारित है। इसके लिए बीएमसी, म्हाडा और कलेक्टर्स ऑफिस में स्वतंत्र 'ट्रैकिंग कक्ष' बनाए जाएंगे, जो ज़मीन पर होने वाले किसी भी नए अवैध निर्माण को तुरंत पकड़ लेंगे।

मुस्लिम आरक्षण रद्द करने पर हाईकोर्ट सख्त

- महाराष्ट्र सरकार से 3 हफ्ते में मांगा जवाब
- सरकारी आदेश को दी गई है चुनौती

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र में मुस्लिम आरक्षण को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें सरकार के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसके जरिए शिक्षा और नौकरियों में मिलने वाले 5 प्रतिशत मुस्लिम कोटे को खत्म कर दिया गया है। महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक न्याय विभाग ने 17 फरवरी 2026 को एक शासनादेश (GR) जारी किया था। इसके तहत मुस्लिम समुदाय (विशेष पिछड़ा वर्ग-ए) को मिलने वाले 5 प्रतिशत आरक्षण से जुड़े सभी पुराने फैसलों और अध्यादेशों को रद्द कर दिया गया। इसी आदेश के खिलाफ अब कानूनी लड़ाई शुरू हो गई है।

मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप

वकील सैयद एजाज अब्बास नकवी ने अपनी याचिका में दलील दी है कि सरकार का यह कदम बिना किसी ठोस आधार के एक विशेष अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला समानता के अधिकार और मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है और समुदाय के शैक्षिक व सामाजिक हितों के लिए बेहद हानिकारक है। अदालत ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

ब्रीफ न्यूज़

प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे से नाराज हैं सुनेत्रा पवार!

मुंबई। मुंबई में राकांपा (अजित) के भीतर नेतृत्व और अधिकारों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है, जहां पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार की कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे से नाराजगी की चर्चाएं सामने आ रही हैं। हालांकि सांसद पार्थ पवार ने इन खबरों को खारिज करते हुए इन्हें बेबुनियाद बताया है और वरिष्ठ नेताओं का बचाव किया है। दरअसल विवाद की जड़ 16 फरवरी को चुनाव आयोग को भेजा गया वह पत्र है, जिसमें कार्याध्यक्ष को राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे अधिकार देने की मांग की गई थी। इसके बाद पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं।

महाराष्ट्र में बदला मौसम, कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र में भीषण गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट लेते हुए कई इलाकों में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का दौर शुरू कर दिया है, जिस पर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पुणे, नासिक और उत्तर महाराष्ट्र के कई जिलों में अगले 24 से 48 घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पुणे और नासिक में गुरुवार दोपहर से मौसम बिगड़ने के साथ पिंपरी-चिंचवड़ में ओलावृष्टि ने जनजीवन प्रभावित किया, जबकि जलगांव, धुले, नंदुरबार और अहिल्यानगर में भी ऐसे हालात की संभावना जताई गई है। मराठवाड़ा के छत्रपति संभाजीनगर, जालना और बीड़ में भी ऑरेंज अलर्ट लागू है, वहीं विदर्भ के नागपुर समेत कई जिलों में येलो अलर्ट के बीच बारिश जारी है।

मंत्रालय में आईटी सलाहकारों की छंटनी

अब हर विभाग में सिर्फ 2 को ही मिलेगी जगह

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने मंत्रालयों और सरकारी विभागों में आईटी सलाहकारों की मनमानी नियुक्तियों और भारी-भरकम वेतन पर लगाम लगाने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग ने अब सलाहकारों की संख्या और उनके कार्यकाल को लेकर सख्त सीमा तय कर दी है। आईटी मंत्री आशीष शेलार की कड़ी नाराजगी और सरकारी खजाने की लूट पर उनके तीखे बयानों के बाद नियमों में यह बड़ा संशोधन किया गया है। नए नियम के मुताबिक, 1 मई 2026 से किसी भी सरकारी विभाग या संबंधित कार्यालय में अधिकतम दो (2) आईटी सलाहकार ही नियुक्त किए जा सकेंगे। जिन विभागों में अभी दो से ज्यादा लोग इस पद पर तैनात हैं, उनकी सेवाएं केवल 30 अप्रैल 2026 तक ही जारी रहेंगी। इसके बाद उन्हें पद छोड़ना होगा।

किन्हें मिली है इस नियम से छूट?

प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए कुछ उच्च स्तरीय कार्यालयों को इस सीमा से बाहर रखा गया है। यह नियम मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO), उपमुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव, IT विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय पर लागू नहीं होगा। यहाँ जरूरत के हिसाब से नियुक्तियाँ जारी रह सकेंगी।

वेतन में 4-5 गुना हेराफेरी का हुआ खुलासा

अक्टूबर 2025 की एक बैठक में मंत्री आशीष शेलार ने खुलासा किया था कि राज्य के विभिन्न विभागों में 246 आईटी सलाहकार कार्यरत हैं। ये नियुक्तियाँ 6 चुनिंदा एजेंसियों के जरिए होती हैं। चौंकाने वाली बात यह थी कि सुपरवाइजरी के नाम पर ये सलाहकार अपनी योग्यता से 4-5 गुना ज्यादा वेतन ले रहे थे, जिसकी जानकारी महाआईटी के पास भी नहीं थी।'

तुकाराम मुंढे के तबादले के खिलाफ दिव्यांगों का प्रदर्शन

मुंबई। अपनी कड़क कार्यशैली के लिए मशहूर आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे के तबादले के खिलाफ दिव्यांगों का गुस्सा फूट पड़ा। करीब दो दर्जन से अधिक दिव्यांग भाई-बहनों ने मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर डेरा डाल दिया और इस ट्रांसफर को तुरंत रद्द करने की मांग की। मंगलवार को जैसे ही सरकार ने तुकाराम मुंढे को दिव्यांग कल्याण विभाग से हटाकर राहत एवं पुनर्वसन विभाग में भेजने का आदेश जारी किया, दिव्यांगों में नाराजगी फैल गई। गुरुवार को दो दर्जन से अधिक लोग व्हीलचेयर और बैसाखियों के सहारे मंत्रालय पहुँचे और मुख्यमंत्री के सचिव के केबिन के बाहर शांतिपूर्ण लेकिन कड़ा विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे दिव्यांगों का साफ कहना था कि मुंडे साहब के आने के बाद पिछले एक साल में विभाग की सूरत बदल गई थी। उन्होंने उन योजनाओं को फिर से चालू किया जो फाइलों में दबी थीं और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने की मजबूरी को खत्म किया था।

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लि.

प्रोजेक्ट 17A के उन्नत स्टेल्थ फ्रिगेट

तारागिरी

के कमीशनिंग की घोषणा करता है

मुख्य अतिथि :
श्री राजनाथ सिंह
माननीय रक्षा मंत्री

दिनांक : 3 अप्रैल, 2026

स्थान : विशाखापट्टणम

वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें

MAKE IN INDIA

@MazagonDockLtd @mazagondockshipbuilders @MDLMumbai Mazagon Dock Ship Builders

चिंताजनक खुलासा — खाड़ी देशों में हालात बदतर, यूएई के आंकड़ों ने डराया

विदेशों में हर दिन मर रहे 20 से ज्यादा भारतीय श्रमिक

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। सरकार ने राज्यसभा में विदेशों में काम करने वाले भारतीय श्रमिकों की स्थिति पर गंभीर और चिंताजनक आंकड़े पेश किए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में हर दिन औसतन 20 से अधिक भारतीयों की विदेशी धरती पर मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा मौतें खाड़ी देशों में दर्ज की गई हैं, जो भारतीय श्रमिकों के लिए प्रमुख रोजगार स्थल माने जाते हैं।

पांच वर्षों में 37 हजार से अधिक मौतें

विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने 29 जनवरी को राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि 2021 से 2025 के बीच कुल 37,740 भारतीय श्रमिकों की विदेशों में मौत हुई। हालांकि, इन मौतों के कारणों का कोई विस्तृत ब्यौरा सरकार ने उपलब्ध नहीं कराया है, जिससे स्थिति की गंभीरता और बढ़ जाती है।

साल-दर-साल बढ़ता मौतों का आंकड़ा

आंकड़ों के अनुसार, साल 2021 में सबसे अधिक 8,234 मौतें दर्ज हुईं, जबकि 2022 में यह संख्या घटकर 6,614 हो गई। द फिर लगातार वृद्धि देखने को मिली— 2023 में 7,291, 2024 में 7,747 और 2025 में 7,854 श्रमिकों की मौत हुई। यह ट्रेंड दर्शाता है कि समस्या अभी भी नियंत्रित नहीं हो पाई है। कुल मौतों में से 86 प्रतिशत से अधिक मामले खाड़ी देशों से जुड़े हैं। संयुक्त अरब अमीरात में 12,380 और सऊदी अरब में 11,757 मौतें दर्ज की गईं। इसके अलावा कुवैत (3,890), ओमान (2,821), कतर (1,760) और मलेशिया (1,915) में भी बड़ी संख्या में भारतीय श्रमिकों की मौत हुई।

नवी मुंबई में बनेगा विश्वस्तरीय स्टेडियम

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में आधुनिक और विश्वस्तरीय स्टेडियम निर्माण को लेकर राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की परिकल्पना को साकार करने के लिए संबंधित विभागों को तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। सांस्कृतिक कार्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा मुंबई उपनगर के पालकमंत्री आशीष शेलार ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को योजना जल्द पूर्ण करने को कहा। उन्होंने स्टेडियम के लिए स्थान चयन करते समय कनेक्टिविटी, यातायात, पार्किंग और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

स्पोर्ट्स सिटी क्षेत्र में प्रस्ताव पर विचार

बैठक में बताया गया कि नवी मुंबई की प्रस्तावित स्पोर्ट्स सिटी क्षेत्र में स्टेडियम निर्माण का विकल्प विचाराधीन है। इस क्षेत्र की लगभग 50 प्रतिशत जमीन पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है, जबकि शेष जमीन चरणबद्ध तरीके से अधिग्रहित की जाएगी।

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट नियुक्त होगा

एक लाख क्षमता वाले स्टेडियम का लक्ष्य

मुंबई क्रिकेट असोसिएशन (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाईक ने कहा कि मुख्यमंत्री का सपना मुंबई के पास एक लाख दर्शक क्षमता वाला स्टेडियम बनाना है। इस परियोजना को एमसीए का पूरा समर्थन मिलेगा।

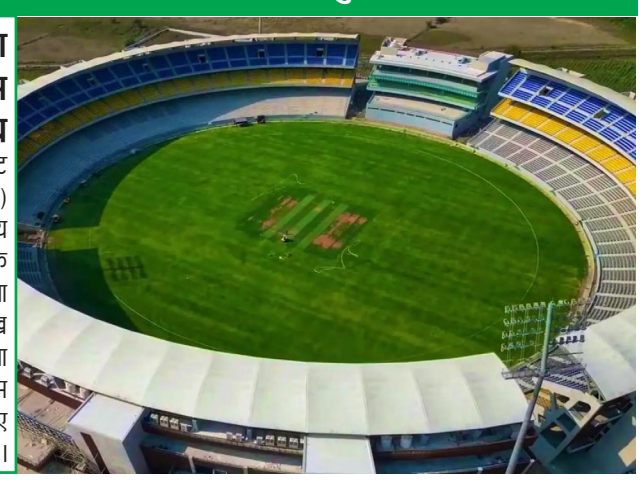

सरकार ने परियोजना को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, इससे पहले जमीन का अंतिम चयन और प्रारंभिक योजना को प्राथमिकता देने को कहा गया है।

भूमि और सुविधाओं का विस्तृत प्लान

स्टेडियम निर्माण के लिए करीब 40 एकड़ भूमि और सहायक सुविधाओं के लिए अतिरिक्त 30 एकड़ भूमि की आवश्यकता बताई गई है। परियोजना के लिए विस्तृत आराखड़ा (डिजाइन) तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑनलाइन निवेश के नाम पर 1 करोड़ से ज्यादा की ठगी, दो मामले दर्ज

डीबीडी संवाददाता । पालघर

जिले में साइबर ठगों ने ऑनलाइन निवेश के नाम पर दो अलग-अलग व्यक्तियों को निशाना बनाते हुए 1,02,98,825 रुपये की ठगी की है। आरोपियों ने अधिक रिटर्न का लालच देकर भरोसा जीता और फिर बड़ी रकम ऐंठ ली।

पहला मामला : डहाणू निवासी से 73 लाख से अधिक की ठगी

पहले मामले में डहाणू स्थित अदाणी टाउनशिप निवासी प्रभुराम कुमावत (53) को "गोल्ड रश ग्लोबल कैपिटल" नामक कथित निवेश योजना में फंसाया गया। आरोपी ने मोबाइल के जरिए संपर्क कर मार्च से जुलाई 2025 के बीच उनसे अलग-अलग किश्तों में 73,21,620 रुपये निवेश कराए।

दूसरा मामला : आईटी इंजीनियर बना दूसरा शिकार

दूसरे मामले में बोईसर के बेटेगांव निवासी आईटी इंजीनियर शुभम नितीन भोले (27) को "मेघा" नाम की महिला ने फोन कर संपर्क किया। व्हाट्सएप लिंक के जरिए अकाउंट बनवाया गया और टेलीग्राम पर "ऑनलाइन टास्क" पूरा करने के बदले अधिक मुनाफे का लालच दिया गया।

यूपीआई और बैंक खातों से वसूली गई रकम

दिसंबर 2025 के दौरान आरोपी ने विभिन्न बैंक खातों और यूपीआई आईडी के माध्यम से शुभम भोले से 29,77,205 रुपये जमा कराए। टास्क पूरा करने के बावजूद न तो निवेश राशि लौटाई गई और न ही कोई मुनाफा दिया गया। रकम वापस नहीं मिलने पर पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पामबीच मार्ग से सायन-पनवेल हाईवे तक आर्म फ्लाईओवर का लोकार्पण

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा वाशी सेक्टर-17 में पामबीच मार्ग को सायन-पनवेल महामार्ग से जोड़ने वाले आर्म फ्लाईओवर का लोकार्पण महाराष्ट्र के वनमंत्री गणेश नाईक के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर सुजाता पाटील, उपमहापौर दशरथ भगत, नगरसेवकगण और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। लोकार्पण के मौके पर मंत्री गणेश नाईक ने कहा कि यह नया जोड़ मार्ग पामबीच से पुणे की दिशा में जाने वाले वाहन चालकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। इससे शहर की यातायात व्यवस्था और बेहतर होगी। कार्यक्रम के दौरान इस फ्लाईओवर पर पहला प्रतीकात्मक सफर दिव्यांगजन के लिए विशेष दोपहिया वाहन से वैभव ठाकूर ने किया। इस पहल के लिए मंत्री द्वारा उनका सम्मान भी किया गया।

290 मीटर लंबा, 18.32 करोड़ की लागत

महानगरपालिका के अभियंता विभाग के मार्गदर्शन में बने इस फ्लाईओवर की लंबाई 290 मीटर और चौड़ाई 6.50 मीटर है। इसके निर्माण पर करीब 18.32 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। अब तक नागरिकों को सानपाड़ा मार्ग से लंबा चक्कर लगाना पड़ता था, जिससे समय और ईंधन दोनों की अधिक खपत होती थी। इस नए फ्लाईओवर के चालू होने से सीधे सायन-पनवेल हाईवे तक पहुंच आसान होगी और करीब 10 से 15 मिनट की समय बचत होगी।

महावीर जयंती पर खुली मीट शॉप, केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

महावीर जयंती के अवसर पर शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद मटन की दुकान खुली रखने का मामला नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में सामने आया है। पुलिस ने आदेश की अवहेलना करने पर दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, 31 मार्च 2026 की शाम करीब 6 बजे वरालदेवी हॉस्पिटल के सामने, कामतघर स्थित 'ए वन मटन चिकन शॉप' संचालित होती पाई गई। यह दुकान इसरार अब्दुल करीम कुरैशी (36) के कब्जे में बताई गई है, जो भोईवाड़ा, माधवनगर क्षेत्र का निवासी है।

शासन ने जारी किए थे सख्त निर्देश

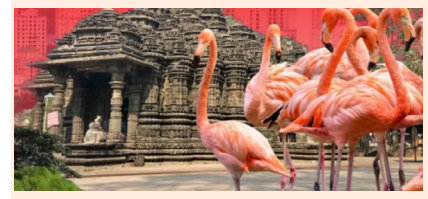

महावीर जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र शासन ने सभी कत्तलखाने, मांस, मटन और चिकन की दुकानों को बंद रखने के निर्देश दिए थे। इसके तहत नारपोली पुलिस ने अपने क्षेत्र की दुकानों को पहले ही लिखित सूचना और समजपत्र देकर आदेशों की जानकारी दी थी। इसके बावजूद संबंधित दुकानदार ने दुकान खुली रखकर मटन की बिक्री जारी रखी। पुलिस ने इसे शासन के आदेश की अवज्ञा मानते हुए कार्रवाई की। इस मामले में गुन्हा रजि. क्र. 237/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी कर छोड़ दिया है।

मुंब्रा में फायरिंग, एक की मौत

दो घायल, आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिले के मुंब्रा इलाके में गुरुवार को मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। कैलास नगर में एक व्यक्ति ने देशी पिस्तौल से तीन लोगों पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। मुंब्रा पुलिस के अनुसार, यह घटना कैलास नगर स्थित सुमनताई हिंदी स्कूल के पीछे बिस्मिल्लाह चाल के पास हुई। आरोपी जयन शिवानंदन नायर (51) इसी इलाके का निवासी है। फायरिंग में घायल अब्दुल शेख, अकबर अहमद और समीर शेख को तत्काल कालसेकर अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने अकबर अहमद को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दो घायलों का इलाज जारी है।

आरोपी मौके से गिरफ्तार, हथियार जब्त

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी नायर को घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से देशी पिस्तौल भी बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी एक महिला को अपनी बहन मानता था। कथित तौर पर घायल तीनों युवक उस महिला के साथ छेड़छाड़ करते थे। महिला द्वारा इसकी जानकारी देने के बाद आरोपी ने गुस्से में आकर यह कदम उठाया। पुलिस अब इस मामले में देशी पिस्तौल के स्रोत समेत सभी पहलुओं से जांच कर रही है। साथ ही घटना के पीछे की पूरी पृष्ठभूमि और अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल की जा रही है।

6.63 लाख का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

चालक व मालिक फरार

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

एमबीवीवी नवघर पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर से प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक धीरज कोली को मिली जानकारी के बाद टीम ने इंद्रलोक फेज-6 क्षेत्र में छापेमारी की। इंद्रलोक फेज-6 में एक चाइनीज होटल के सामने खड़े संदिग्ध मालवाहक टेम्पो की तलाशी ली गई। जांच के दौरान पुलिस को टेम्पो से 6 लाख 63 हजार 285 रुपये मूल्य का प्रतिबंधित गुटखा बरामद हुआ, जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने दर्ज कराया मामला

इस मामले में ठाणे खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारी संदीप बाबूराव डोलताडे की शिकायत पर नवघर पुलिस थाने में वाहन चालक और मालिक के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई के दौरान मालवाहक वाहन का चालक और मालिक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक धीरज कोली ने कहा कि फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुटखा माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और ऐसे अवैध कारोबार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

30 हजार के कपड़ों की हेराफेरी

रिक्शा चालक पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शांतीनगर पुलिस थाना क्षेत्र में डिलीवरी के लिए सौंपे गए कपड़ों के माल की हेराफेरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने एक रिक्शा चालक के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता मोहम्मद जाहिद मोहम्मद अंसारी (32), जो गारमेंट व्यवसाय से जुड़े हैं और किडवईनगर, नायगांव नंबर-2 के निवासी हैं, ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने 29 मार्च 2026 को सुबह से देर रात के बीच डिलीवरी के लिए कपड़ों का माल आरोपी को सौंपा था।

60 टी-शर्ट और 60 हाफ पैंट शामिल

शिकायत के अनुसार, रिक्शा नंबर एमएच 05 एफडब्ल्यू 3151 के चालक खाजा मोहिनुद्दीन मलिक को 60 टी-शर्ट और 60 हाफ पैंट, कुल 30 हजार रुपये मूल्य का माल पहुंचाने के लिए दिया गया था। इसमें टी-शर्ट की कीमत 18 हजार रुपये और हाफ पैंट की कीमत 12 हजार रुपये बताई गई है। आरोप है कि आरोपी ने माल को तय स्थान तक पहुंचाने के बजाय उसका गबन कर लिया। इसके बाद पीड़ित ने शांतीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

केस दर्ज, आरोपी फरार

पुलिस ने गुन्हा रजि. क्र. 248/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) में मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है और उसकी तलाश जारी है। मामले की जांच पुलिस हवालदार दिनेश भुरकुड कर रहे हैं। पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी है और माल की बरामदगी के लिए संभावित स्थानों पर छानबीन कर रही है।

मोटरसाइकिल चोरी की दो घटनाएं

पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस किया दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शहर में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। निजामपुरा और नारपोली पुलिस थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी के मामले सामने आए हैं। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निजामपुरा क्षेत्र से पैशन प्रो बाइक चोरी

पहली घटना निजामपुरा थाना क्षेत्र की है। कासार आळी निवासी व्यंकटेश पेंटप्पा कुटला (50) ने शिकायत में बताया कि उनकी हीरो कंपनी की पैशन प्रो मोटरसाइकिल (एमएच 02 जीएस 5842), जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये है, चोरी हो गई। यह घटना 28 मार्च 2026 को सुबह 9:30 बजे से 10:40 बजे के बीच गणेश बिल्डिंग, मूलचंद कंपाउंड, शान होटल के सामने, खाड़ीपार इलाके में हुई। बाइक पार्क करने के बाद अज्ञात चोर उसे चुराकर फरार हो गया। मामले की जांच सहायक पुलिस उपनिरीक्षक आल्हाट कर रहे हैं।

नारपोली में इलेक्ट्रिक बाइक पर हाथ साफ

दूसरी घटना नारपोली थाना क्षेत्र में सामने आई है। स्टेशनरी व्यवसायी रवि रामसागर गुप्ता (31) ने शिकायत दर्ज कराई कि उनकी रिवोल्ट कंपनी की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल (एमएच 04 एमडी 8816), जिसकी कीमत करीब 55 हजार रुपये है, चोरी हो गई। यह वारदात 30 मार्च की रात 10:30 बजे से 31 मार्च की सुबह 6:30 बजे के बीच जय मल्हार देशी बार के पास, भंडारी कंपाउंड इलाके में हुई। अज्ञात चोर बाइक लेकर फरार हो गया। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सुनील बिन्हाडे कर रहे हैं।

चाकू लेकर घूम रहा था बदमाश

दिवानशाह दरगाह के पास खुले मैदान से पकड़ा गया आरोपी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भोईवाड़ा इलाके में पुलिस ने बड़ी मुस्तैदी दिखाते हुए एक ऐसे शख्स को दबोचा है, जो सरकारी पाबंदी (निषेधाज्ञा) के बावजूद सरेआम धारदार चाकू लहराकर लोगों में खौफ पैदा कर रहा था। ठाणे पुलिस आयुक्तालय द्वारा लगाए गए 'मनाई आदेश' के उल्लंघन का यह मामला 1 अप्रैल की रात का है। बुधवार की रात करीब 8:15 बजे भोईवाड़ा पुलिस को खबर मिली कि दिवानशाह दरगाह के पास पानी की टंकी वाले मैदान में एक आदमी संदिग्ध हालत में घूम रहा है। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी की और 40 साल के मो. इद्रीस मोहम्मद अली अंसारी को हिरासत में ले लिया।

तलाशी में निकला धारदार हथियार

जब पुलिस ने इद्रीस की तलाशी ली, तो उसके पास से लकड़ी की मूठ वाला एक धारदार चाकू मिला (जिसकी कीमत करीब 500 रुपये बताई जा रही है)। आरोपी आजमीनगर रोड का ही रहने वाला है। सरेआम हथियार लेकर घूमने का उसका मकसद इलाके में अपनी 'दहशत' कायम करना था। ठाणे पुलिस आयुक्तालय ने 21 मार्च से 24 अप्रैल 2026 तक पूरे इलाके में हथियारबंदी लागू की है। इसके तहत लाठी, तलवार, भाला, चाकू या शरीर को नुकसान पहुँचाने वाली किसी भी चीज़ को साथ रखना सख्त मना है। आरोपी इद्रीस ने इसी आदेश का उल्लंघन किया, जिसके चलते उस पर शिकंजा कसा गया।

दर्ज हुए गंभीर मुकदमे

भोईवाड़ा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गुन्हा रजि. क्र. 134/2026 दर्ज किया है। इसमें शस्त्र अधिनियम (Arms Act) की धारा 4 व 25 के साथ-साथ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) और 135 लगाई गई है। पुलिस हवालदार सावळे इस मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

अश्लील गतिविधियों के आरोप में मामला दर्ज

सरगम बार पर पुलिस का छापा

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

नारपोली पुलिस ने अंजुरफाटा रोड स्थित एक बार एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी कर कथित अश्लील गतिविधियों का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने बार मैनेजर, महिला कर्मचारियों, वेटर और ग्राहकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 1 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे नारपोली गांव के अंजुरफाटा रोड स्थित सरगम बार एंड रेस्टोरेंट पर छापा मारा गया। इस दौरान बार के भीतर संदिग्ध गतिविधियां चलती पाई गईं।

महिला कर्मचारियों पर अशोभनीय व्यवहार के आरोप

छापेमारी के दौरान महिला कर्मचारी छोटे और तंग कपड़ों में ग्राहकों के बीच अश्लील इशारे और हरकतें करती हुई पाई गईं। पुलिस का आरोप है कि वे ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए आपत्तिजनक व्यवहार कर रही थीं। पुलिस ने बार के मैनेजर रामचंद्र पवित्र नाईक (36) पर आरोप लगाया है कि उसने अपने फायदे के लिए महिला कर्मचारियों को इस तरह के कपड़े पहनने और ग्राहकों के साथ अशोभनीय व्यवहार करने के लिए प्रेरित किया। कार्रवाई के दौरान तीन महिला कर्मचारी—काजल दिलीप तोमर, मुस्कान अमीर खान और ममतादेवी अमित कनोजिया—के साथ एक वेटर और दो ग्राहक भी मौके पर मौजूद मिले। पुलिस के अनुसार, ग्राहक भी इशारों के जरिए उन्हें प्रोत्साहित कर रहे थे।

नकदी बरामद, मामला दर्ज

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 3200 रुपये नकद जब्त किए। इस मामले में गुन्हा रजि. क्र. 242/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 110/117 के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35(3) के तहत नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक महेंद्र पाटील कर रहे हैं।

जल्दबाजी में न काटे जाएं नाम: सपकाल

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान शुरू हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम से मुलाकात कर इस पूरी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। हर्षवर्धन सपकाल ने याद दिलाया कि महाराष्ट्र में आखिरी बार ऐसा अभियान 2002-04 में चला था, जिसे पूरा करने में 13 महीने लगे थे। अब, जब राज्य में मतदाताओं की संख्या में साढ़े तीन करोड़ की भारी वृद्धि हुई है, तो कांग्रेस का कहना है कि इस काम को हड़बड़ी में खत्म करने के बजाय डेढ़ से दो साल का समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि अगले 2-3 सालों में कोई बड़ा चुनाव नहीं है।

हर्षवर्धन सपकाल ने निर्वाचन आयोग को सौंपा ज्ञापन

खास जातियों और धर्मों के नाम हटाने की शिकायत

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सामने यह गंभीर मुद्दा उठाया कि उन्हें ऐसी शिकायतें मिल रही हैं जिनमें विशेष जातियों और धर्मों के मतदाताओं के नाम जानबूझकर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं।

बेमौसम बारिश से तबाही

- 1.22 लाख हेक्टेयर फसलें प्रभावित
- किसानों को जल्द मदद का आश्वासन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण लगभग 1 लाख 22 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इस स्थिति को देखते हुए कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने प्रभावित किसानों को जल्द सहायता देने का आश्वासन दिया है। कृषि मंत्री ने गुरुवार को पुणे जिले की भोर तहसील के वडगांव दल क्षेत्र का दौरा कर नुकसान का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। उन्होंने आम के बागों सहित विभिन्न फसलों की स्थिति का जायजा लिया और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

आकलन पूरा होते ही किसानों को मिलेगी मदद

कृषि मंत्री भरणे ने कहा कि नुकसान का पंचनामा तेजी से किया जा रहा है और आकलन पूरा होते ही किसानों को तुरंत आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी, ताकि नुकसान की भरपाई हो सके।

इन जिलों में सबसे ज्यादा असर

बेमौसम बारिश का सबसे ज्यादा असर नासिक (29,812 हेक्टेयर), अहिल्यानगर (23,633 हेक्टेयर), जलगांव (22,361 हेक्टेयर), धुले (14,832 हेक्टेयर), बुलढाणा (8,507 हेक्टेयर) और छत्रपति संभाजीनगर (8,445 हेक्टेयर) में देखा गया है। बारिश और ओलावृष्टि से केला, गेहूं, मक्का, चना, आम, ज्वार, सब्जियां, अनार, प्याज, संतरा और अंगूर की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कई जगह प्याज सड़ गया है, पपीते के पौधे नष्ट हो गए हैं और खेतों में पानी भरने से खड़ी फसलें खराब हो गई हैं।

600 रुपए के विवाद में तेजाब से हमला

मालाड में 6 लोग घायल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

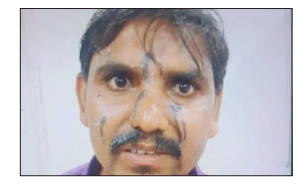

मालाड इलाके में महज 600 रुपए की उधारी को लेकर दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने दूसरे पर तेजाब फेंक दिया। इस घटना में छह लोग घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह वारदात मालाड के कुरार पाल नगर स्थित धुरी कंपाउंड में हुई। यहां एसिड केमिकल प्लेटिंग कारखाने के दो मालिकों के बीच उधारी को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गई। विवाद बढ़ने पर एक गुट ने दूसरे पर तेजाब फेंक दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही कुरार पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक उमेश पाटिल ने बताया कि समर बहादुर राजकुमार सिंह नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया है।

बीएमसी के ब्रिटिशकालीन स्टॉल धारकों के समर्थन में उतरे विधायक केलकर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में ब्रिटिश काल से संचालित स्टॉल धारकों को हॉकर श्रेणी में शामिल कर उन पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद हजारों परिवारों के सामने रोज़गार का संकट खड़ा हो गया है। इस मुद्दे को लेकर अब ठाणे के विधायक संजय केलकर ने पहल की है। विधायक संजय केलकर ने गुरुवार को मुंबई मनपा (बीएमसी) के संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर स्टॉल धारकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। अधिकारियों की ओर से सकारात्मक रुख दिखाए जाने पर स्टॉल धारकों में उम्मीद जगी है।

आदर्श बीएमसी स्टॉल लाइसेंस होल्डर यूनियन की लंबित मांगों को लेकर यह बैठक उपायुक्त (विशेष) विनायक विस्पुते की मौजूदगी में आयोजित की गई। बैठक में स्टॉल धारकों के अधिकारों और नीतिगत बदलावों पर विस्तृत चर्चा हुई। स्टॉल धारकों ने मांग रखी कि उन्हें हॉकर नीति से बाहर रखा जाए और पहले की तरह स्टॉल खरीदने-बेचने का अधिकार दिया जाए। इसके अलावा एक साल का किराया अग्रिम जमा करने की अनुमति और किराया ऑनलाइन लेने की व्यवस्था लागू करने की भी मांग की गई।

प्रशासन का सकारात्मक आश्वासन

बैठक में उपायुक्त विनायक विस्पुते ने इन मांगों पर सकारात्मक विचार का भरोसा दिया है। इससे स्टॉल धारकों में राहत और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विधायक केलकर ने कहा कि वे स्टॉल धारकों पर लगी रोक हटाने और उनके अधिकार बहाल कराने के लिए लगातार प्रयास करेंगे, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द राहत मिल सके।

शिंदे गुट की डिनर डिप्लोमेसी में ठाकरे के दो सांसद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में 'डिनर डिप्लोमेसी' ने एक बार फिर खलबली मचा दी है। शिवसेना (शिंदे गुट) के केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव के स्नेहभोज में उद्धव ठाकरे (UBT) गुट के दो सांसदों—नागेश आष्टीकर और संजय देशमुख—की मौजूदगी ने 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चाओं को हवा दे दी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अपनी ताकत बढ़ाने के लिए 'ऑपरेशन टाइगर' पर काम कर रहे हैं। योजना यह है कि शरद पवार गुट के 6 और उद्धव ठाकरे गुट के 6 सांसदों को अपने पाले में लाया जाए। अगर ऐसा होता है, तो शिंदे गुट के पास कुल 19 सांसद हो जाएंगे, जिससे 2029 के चुनावों में उनकी दावेदारी और सौदेबाजी की शक्ति काफी बढ़ जाएगी।

नागेश आष्टीकर की सफाई

नांदेड़ के सांसद नागेश आष्टीकर ने इस मुलाकात को पूरी तरह निजी बताया है। उन्होंने कहा कि प्रतापराव जाधव की सालगिरह का कार्यक्रम था और संसद में मिले निमंत्रण के नाते वे केवल 5-10 मिनट के लिए शुभकामनाएं देने गए थे। उन्होंने साफ किया कि इसका किसी 'राजनीतिक साजिश' से कोई लेना-देना नहीं है। जब आष्टीकर से उनकी मौजूदगी पर सवाल किए गए, तो उन्होंने आदित्य ठाकरे का उदाहरण दिया जो कुछ समय पहले भाजपा नेता मोहित कंबोज की पार्टी में शामिल हुए थे। आष्टीकर का तर्क है कि एक ही सदन (संसद) का सदस्य होने के नाते एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होना एक सामान्य शिष्टाचार है, इसे राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए।

48 साल बाद मिला फ्लैट

- हाई कोर्ट ने खरीदार के पक्ष में सुनाया आदेश, 1978 के मौखिक समझौते को माना वैध

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई में एक फ्लैट की खरीद-बिक्री से जुड़े 48 साल पुराने विवाद को सुलझाते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने फ्लैट मालिक को खरीदार को फ्लैट सौंपने का निर्देश दिया है, साथ ही न्यायसंगत संतुलन के लिए अतिरिक्त राशि देने की शर्त भी जोड़ी है। न्यायमूर्ति फिरदोष पी. पूनीवाला की एकल पीठ ने माना कि फ्लैट खरीदने वाले स्वर्गीय एम.के. माधवन समझौता पूरा करने के लिए लगातार तैयार और इच्छुक थे। अदालत ने कहा कि फ्लैट मालिक की ओर से सौदा पूरा करने में टालमटोल की गई।

हाई कोर्ट ने 2007 में ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को गलत ठहराते हुए रद्द कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने पहले खरीदार को फ्लैट देने से इनकार कर केवल 30 हजार रुपए ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया था, जिसे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। अदालत ने पाया कि 1978 में दोनों पक्षों के बीच 50 हजार रुपए में फ्लैट खरीदने का मौखिक समझौता हुआ था। फ्लैट मालिक ने खुद 30 हजार रुपए लेने की बात स्वीकार की थी। दस्तावेजों से यह भी स्पष्ट हुआ कि खरीदार लगातार फ्लैट लेने की कोशिश करता रहा।

बढ़ती कीमतों को देखते हुए अतिरिक्त राशि तय

अदालत ने कहा कि 1978 की कीमत पर फ्लैट देना वर्तमान समय में उचित नहीं होगा, क्योंकि प्रॉपर्टी की कीमत में भारी वृद्धि हो चुकी है। इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए खरीदार को 20 हजार रुपए के अलावा 25 लाख रुपए अतिरिक्त देने का निर्देश दिया गया है।

क्या है मामला?

मामला वडाला स्थित 'मंगला गुडविल को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी' का है, जहां एम.के. माधवन और आर. सुब्रमण्यम पड़ोसी थे। माधवन ने 30 हजार रुपए अग्रिम दिए थे, लेकिन बाद में फ्लैट मालिक ने सौदा पूरा करने से इनकार कर दिया। इसके बाद मामला अदालत में पहुंचा।

एलपीजी संकट के बीच राज्य सरकार सतर्क

- उद्योगों और नागरिकों को निर्बाध आपूर्ति का भरोसा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/पुणे

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर एलपीजी गैस की कमी के बीच महाराष्ट्र सरकार ने स्थिति पर कड़ी नजर रखते हुए उद्योगों और आम नागरिकों को गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का भरोसा दिया है। राज्य के शिष्टाचार मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि महाराष्ट्र में कार्यरत हर विदेशी कंपनी को राज्य का हिस्सा मानते हुए उनकी हर संभव सहायता की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संकट के बावजूद किसी भी उद्योग को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

पुणे में संचालित विदेशी निवेश वाले उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति सुचारू रखने के लिए सह्याद्री अतिथि गृह में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक दक्षिण कोरिया, स्वीडन और जापान के महावाणिज्य दूतों के आग्रह पर बुलाई गई थी, जिसमें आपूर्ति व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री रावल ने बताया कि वैश्विक हालात के कारण सप्लाई में बाधाएं और शिपिंग लागत में वृद्धि जैसी समस्याएं सामने आई हैं।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में राज्य सरकार लगातार हालात संभालने के प्रयास कर रही है। एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए हर जिले में कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन शुरू की गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में विभाग के सचिव डॉ. गवांदे ने बताया कि फिलहाल किसी विदेशी उद्योग ने गैस आपूर्ति को लेकर शिकायत नहीं की है। केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार एलपीजी वितरण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है—पहले अस्पताल और शैक्षणिक संस्थान, फिर रेस्टोरेंट और खाद्य उद्योग, और अंत में श्रम-प्रधान उद्योगों को प्राथमिकता दी जा रही है। राज्य सरकार ने दोहराया कि मौजूदा संकट के बावजूद आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि उद्योग और नागरिक प्रभावित न हों।

कालाचौकी जैन मंदिर चोरी का खुलासा

चौकीदार ही निकला चोर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कालाचौकी इलाके में स्थित जैन मंदिर में हुई करीब 1.75 करोड़ रुपए के आभूषणों की चोरी के मामले का मुंबई पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में मंदिर के पूर्व चौकीदार को गिरफ्तार कर लिया गया है और चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेंद्र उर्फ जीतन उर्फ बंटी उर्फ पिंटू लांबड़े (34) के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश के भिंड का रहने वाला है। आरोपी पहले इसी मंदिर में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर चुका था और उसे मंदिर की व्यवस्था की पूरी जानकारी थी। कालाचौकी पुलिस के मुताबिक 30 मार्च की देर रात 2:30 बजे से 4 बजे के बीच सोसायटी परिसर में स्थित जैन मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

200-300 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर मिली सफलता

डीसीपी आर. रागसुधा ने बताया कि पुलिस ने जांच के दौरान 200 से 300 सोसायटियों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इन्हीं के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे ट्रैक किया गया। तकनीकी जांच में पता चला कि वारदात के बाद आरोपी मध्य प्रदेश भाग गया था। पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वहां पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी गए सभी गहने और नकदी बरामद कर ली है। आरोपी के खिलाफ पहले से 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि इस मामले में और भी अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं।

मध्य रेल
भुसावल मण्डल
ई–निविदा सूचना
संख्या dycetmbsl-06-2026-T1
दिनांक 30.03.2026

उप मुख्य इंजीनियर (ट्रैक मशीन) लाइन मध्य रेलवे भुसावल भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत निविदाकारों से ई निविदा आमंत्रित करते हैं। **(ई निविदा संख्या– dycetmbsl-06-2026-T1) कार्य का नामः**– मध्य रेलवे पर कार्यरत TRT मशीनों का IOH. **xiii) औसत लागतः** रु. 1,01,93,406.41/– (जीएसटी सहित) **xiv) बयानाः** रु 2,03,900/– **xv) निविदा पुस्तिका की लागतः** शून्य **xvi) पूर्णता अवधिः** – LOA जारी करने की तारीख से (12) बारह महीने **नोटः**– • निविदा समापन तिथि उपर्युक्त निविदा का समय 22.04.2026 को 15.00 बजे तक है। • संभावित निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे निविदाओं और शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, के विवरण के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएँ। • निविदा सूचना उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (टीएम) लाइन कार्यालय, भुसावल के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित की गई है। • निविदाकर्ता केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपरोक्त ई–निविदा में इलेक्ट्रॉनिक रूप से भाग ले सकते हैं और ई–निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है और यदि कोई मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता है तो उसे न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। • निविदा दस्तावेज और बोली सुरक्षा की लागत का भुगतान आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि जैसे ऑनलाइन भुगतान मोड के माध्यम से किया जा सकता है।

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे, मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008।

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन।

	नीलामी कैटलॉग संख्या		नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)	
	MMCT-ADVT-25-85		21-04-26 समय 15:00 बजे	
क्र. सं.	लॉट संख्या	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-NSP-OSN-404-26-1 (विज्ञापन – स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल)	नालासोपारा स्टेशन के लिए 3 वर्ष की अवधि हेतु थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	21.04.26 समय 15:30 बजे
2	ADVT-BCT-DDR-OSN-474-26-1 (विज्ञापन – स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल)	दादर (DDR) स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर 3 वर्ष की अवधि हेतु थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	21.04.26 समय 15:40 बजे
3	ADVT-BCT-BVI-OSN-359-24-1 (विज्ञापन – स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल)	बोरीवली (BVI) स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर 3 वर्ष की अवधि हेतु थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	21.04.26 समय 15:50 बजे

संपर्क विवरण :- लैंडलाइन नंबर :- 02267644212, ईमेल आईडी :- acmadvtgbct@gmail.com. नोट : इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल पर जाएं। उपरोक्त कैटलॉग के अंतर्गत लॉटवार विवरण वहाँ उपलब्ध है। 1280

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: X.com/WesternRly

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA
फोन: 022-66405484 ईमेल: eecityslum@gmail.com

क्रमांक: EE/City/MSIB/e-tender/Labour Soc/01/2026-27

कार्यकारी अभियंता (सिटी), मुंबई स्लम सुधार बोर्ड, MHADA (कक्ष 539, चौथी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा पूर्व, मुंबई 400051) द्वारा 7 कार्यों के लिए B-1 (प्रतिशत दर) पद्धति में ई- टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। ये टेंडर केवल मुंबई शहर जिले के DDR में पंजीकृत लेबर सहकारी समितियों के लिए हैं। टेंडर की पूरी जानकारी और दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार की वेबसाइट **https://mahatenders.gov.in** पर उपलब्ध हैं और वहीं से डाउनलोड किए जा सकते हैं। टेंडर भरने की प्रक्रिया भी इसी वेबसाइट पर होगी। टेंडर फॉर्म शुरू होने की तारीखः **06.04.2026 (सुबह 01:05 बजे)** टेंडर फॉर्म की अंतिम तारीखः **13.04.2026 (दोपहर 03:00 बजे)** अगर कोई संशोधन होगा तो वह केवल वेबसाइट पर ही बताया जाएगा। संबंधित अधिकारी बिना कारण बताए किसी भी या सभी टेंडर को रद्द कर सकते हैं। शर्तों वाले (कंडीशनल) टेंडर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Follow us: @mhadaofficial CPRO/A/250

हस्ता/-
अधिशाषी अभियंता (सिटी),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र का अग्रणी गृहनिर्माण प्राधिकरण

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
- सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं संरक्षण अधिनियम, 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अनुसार, **परिमंडल-7** के 'आर/मध्य' विभाग के **कुल 02** प्रस्तावों को धारा 8 (6) के तहत माननीय नगर निगम आयुक्त एवं वृक्ष प्राधिकरण समिति, बृहन्मुंबई महानगरपालिका की मंजूरी प्राप्त हो गई है।

उपरोक्त प्रस्तावों में पेड़ों को काटने / पुनःरोपण (ट्रांसप्लांट) से संबंधित विवरण मुंबई महानगरपालिका की आधिकारिक वेबसाइट **www.mcgm.gov.in** पर उपलब्ध है। यह जानकारी 'विभाग एवं खातानुसार जानकारी पुस्तिका वृक्ष प्राधिकरण दस्तावेज' लिंक में देखी जा सकती है। संबंधित संदर्भः WS338-R/Central, WS339-R/Central

उद्यान अधीक्षक
एवं वृक्ष अधिकारी
कार्यालय – पेंग्विन बिल्डिंग, दूसरी मंजिल
वीरमाता जिजाबाई भोसले उद्यान,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मार्ग,
भायखळा (पूर्व), मुंबई – 400027
दूरभाषः 23742162 ईमेलः sg.gardens@mcgm.gov.in

पीआरओ/20/विज्ञा/2026-27

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

नंगे पैरों की दौड़: असली भारत की पहचान

इधर कुछ मूर्ख लोग यह प्रचार करने में जुटे हुए हैं कि कलयुग में जीवन कठिन है, चारों तरफ चालाकी और दुष्टता का साम्राज्य है। बड़े पैमाने पर भोले भारतीय इस दुष्प्रचार को सही मानकर चालाकी के बेवकूफाना रास्ते पर चल भी देते हैं, पर हकीकत यह है कि जीवन इतना सुंदर कभी नहीं था...! इंसान और इंसानियत अब तक के सबसे बेहतर समय में है...! खैर, एक उम्दा उदाहरण हमारे सामने है। हाल ही में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में एक बस पलटी, पीछे से रीवा के पीटीएस के जवानों की बस आ रही थी। जवान मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से थके-हारे लौट रहे थे। सामने की बस पलटी, चारों तरफ कांच बिखर गया। जवान जूते खोलकर बैठे थे। सभी बिना कांच चुभने के डर के नंगे पैर दौड़े... यह दौड़ केवल एक घटना नहीं, बल्कि हमारे समय के लिए एक आईना है। सड़क पर बिखरे कांच के टुकड़े, पल-पल बिगड़ती स्थिति और मौत से जूझते लोग—यह वह क्षण था जहां इंसान अक्सर ठिठक जाता है। लेकिन इन जवानों ने ठहरना नहीं चुना, उन्होंने दौड़ना चुना—वह भी नंगे पैरों। जैसे ही हादसा हुआ, लगभग 113 जवान बिना जूते पहने ही बस की ओर भाग पड़े। यह निर्णय नहीं, स्वभाव था; यह प्रशिक्षण नहीं, संस्कार था। कांच के हजारों नुकीले टुकड़े उनके पैरों को छलनी कर सकते थे, पर उस समय दर्द का कोई अर्थ नहीं था। उनके सामने केवल एक ही उद्देश्य था—जितनी जानें बचाई जा सकें, बचाई जाएं। वे दौड़े, बिना यह जाने कि जिन लोगों को बचाना है, वे कौन हैं। न धर्म दिखा, न जाति, न कोई पहचान—सिर्फ इंसान दिखाई दिया। यह वही भारत है, जिसे अक्सर शोर और विभाजन की राजनीति के बीच कम करके आंका जाता है। लेकिन सच्चाई यह है कि आज भी इस देश का बहुसंख्यक समाज मानवता में, प्रेम में और एक-दूसरे के लिए खड़े होने की भावना में गहरा विश्वास रखता है। यही कारण है कि संकट की हर घड़ी में सबसे पहले हाथ मदद के लिए बढ़ते हैं, न कि सवाल उठाने के लिए। रीवा के इन जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बस को अपने हाथों से लगभग 3 फीट तक उठाया। यह केवल ताकत का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि सामूहिक संवेदना की पराकाष्ठा थी। इस प्रयास से लगभग 40 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया—यह केवल एक संख्या नहीं, बल्कि 40 परिवारों की उम्मीदों का पुनर्जन्म है। यह घटना हमें एक असहज प्रश्न के सामने खड़ा करती है—हमारे नायक कौन हैं? वे, जो टीवी चैनलों पर बैठकर एक-दूसरे पर कीचड़ उछालते हैं? या वे, जो थोड़े से पैसे के लिए जुए, गुटखे और शराब का प्रचार करते हैं? क्या यही हमारे आदर्श हैं? जवाब स्पष्ट है—नहीं। यह घटना एक मजबूत संदेश देती है—इंसानियत अभी जिंदा है, और केवल जिंदा ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन दिशा में आगे बढ़ रही है। तमाम नकारात्मक खबरों और बहसों के बावजूद, जमीन पर समाज का बड़ा हिस्सा आज भी प्रेम, सहयोग और करुणा में विश्वास करता है। नंगे पैरों की वह दौड़ केवल घायलों तक पहुंचने की जल्दबाजी नहीं थी, बल्कि यह घोषणा थी कि भारत की असली पहचान क्या है। यहां कोई यह नहीं पूछता कि किसे बचाया जा रहा है, यहां यह देखा जाता है कि किसे बचाया जा सकता है। यही है मेरा देश—जहां दर्द से बड़ा कर्तव्य है, और भेदभाव से बड़ी मानवता। यहां इंसानियत न केवल जीवित है, बल्कि निरंतर एक उज्ज्वल दिशा की ओर बढ़ रही है।

शख्सियत | फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ

भारतीय सैन्य गौरव के शिखर पुरुष

भारतीय सैन्य इतिहास में 'सैम बहादुर' के नाम से विख्यात फील्ड मार्शल सैम होर्मसजी फ्रेमजी जमशेदजी मानेकशॉ एक ऐसा नाम है, जो अदम्य साहस, कुशाग्र बुद्धिमत्ता और बेबाक व्यक्तित्व का पर्याय है। 3 अप्रैल 1914 को अमृतसर में जन्मे सैम मानेकशॉ न केवल भारतीय सेना के पहले फील्ड मार्शल बने, बल्कि उन्होंने 1971 के युद्ध में भारत को वह ऐतिहासिक जीत दिलाई जिसने विश्व का मानचित्र बदल दिया और बांग्लादेश का उदय हुआ।

सैम मानेकशॉ का जन्म एक पारसी परिवार में हुआ था। उनके पिता एक डॉक्टर थे और चाहते थे कि सैम भी डॉक्टरी की पढ़ाई करें, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। विद्रोह की भावना और देश सेवा के जज्बे के साथ उन्होंने देहरादून स्थित 'इंडियन मिलिट्री एकेडमी' (IMA) के पहले बैच में प्रवेश लिया। 1934 में कमीशन प्राप्त करने के बाद, उनका सैन्य सफर चुनौतियों और उपलब्धियों से भरा रहा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्मा फ्रंट पर लड़ते हुए वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके शरीर में मशीनगन की 9 गोलियां लगी थीं। जब डॉक्टर ने उनसे पूछा कि उन्हें क्या हुआ है, तो मृत्यु के करीब होने के बावजूद उन्होंने मजाक में कहा, ₹एक गधे ने मुझे लात मार दी है।₹ उनका यह निडर स्वभाव ही उन्हें अन्य अधिकारियों से अलग बनाता था। मानेकशॉ के करियर का सबसे गौरवपूर्ण क्षण 1971 का भारत-पाक युद्ध था। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अप्रैल 1971 में ही युद्ध की तैयारी करने को कहा, तो सैम ने पूरी ईमानदारी और निर्भीकता से मना कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानसून के समय युद्ध लड़ना रणनीतिक रूप से गलत होगा। उन्होंने तैयारी के लिए समय मांगा और प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि यदि उनके तरीके से युद्ध लड़ा गया, तो जीत निश्चित होगी। दिसंबर 1971 में जब युद्ध छिड़ा, तो मानेकशॉ की रणनीति ने पाकिस्तानी सेना के हौसले पस्त कर दिए। मात्र 13 दिनों के भीतर, उन्होंने ढाका पर कब्जा सुनिश्चित किया और पाकिस्तानी जनरल ए.ए.के. नियाजी को 93,000 सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी भी सेना का सबसे बड़ा सार्वजनिक आत्मसमर्पण था। सैम मानेकशॉ अपनी बेबाकी के लिए मशहूर थे। वे राजनेताओं के सामने भी अपनी राय रखने में कभी नहीं हिचकिचाते थे। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी उन्हें 'सैम' कहकर पुकारती थीं। एक प्रसिद्ध किस्सा है कि जब इंदिरा गांधी ने उनसे पूछा कि क्या वे तख्तापलट की योजना बना रहे हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ₹मैडम, आप अपनी नाक से काम रखें, मैं अपनी नाक से रखूंगा। जब तक मैं अपनी नाक दूसरों के काम में नहीं डालता, आप सुरक्षित हैं।₹ उनके इसी स्वाभिमान और ईमानदारी ने उन्हें जवानों के बीच 'सैम बहादुर' बना दिया। 1973 में उन्हें भारत के पहले 'फील्ड मार्शल' के पद से सम्मानित किया गया। उनकी पूरी सेवा के दौरान उन्हें पद्म विभूषण और पद्म भूषण जैसे प्रतिष्ठित सम्मान मिले। 27 जून 2008 को वेलिंगटन (तमिलनाडु) में उन्होंने अंतिम सांस ली। सैम मानेकशॉ का जीवन हमें सिखाता है कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नाम नहीं है, बल्कि अपने अधीनस्थों का विश्वास जीतने और कठिन परिस्थितियों में अडिग रहने की कला है। उनका कथन, 'यदि कोई व्यक्ति कहता है कि उसे मृत्यु से डर नहीं लगता, तो या तो वह झूठ बोल रहा है या फिर वह गोरखा है,' आज भी भारतीय सेना की रगों में जोश भर देता है।

उत्सव की संस्कृति

पार्टी का सामाजिक और मानवीय महत्व

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी तहसील ऊंचाहार जनपद रायबरेली

भारतीय संस्कृति में भी पर्व-त्योहार इसी भावना के प्रतीक हैं, जहां परिवार और समाज मिलकर उत्सव मनाते हैं। यह परंपरा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, बल्कि आधुनिक जीवन में इसकी आवश्यकता और अधिक महसूस की जा रही है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि पार्टी का स्वरूप संतुलित और सार्थक बना रहे। यदि यह केवल दिखावे, अत्यधिक खर्च या असंयम का माध्यम बन जाए, तो इसका मूल उद्देश्य खो जाता है। वास्तविक अर्थ में पार्टी वही है, जो लोगों को जोड़ने का कार्य करे, न कि उन्हें अलग करे। सादगी, सकारात्मकता और सहभागिता ही इसे सार्थक बनाते हैं।

मनुष्य का जीवन केवल कार्य, दायित्व और उपलब्धियों तक सीमित नहीं है; उसमें आनंद, उत्सव और संबंधों की ऊष्मा का भी उतना ही महत्व है। व्यस्त दिनचर्या, निरंतर निर्णयों का दबाव और जिम्मेदारियों के बीच व्यक्ति अक्सर स्वयं से और अपने लोगों से दूर होने लगता है। ऐसे में "पार्टी" केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन में संतुलन स्थापित करने का एक आवश्यक माध्यम बन जाती है। यह वह अवसर होता है, जब व्यक्ति अपनी औपचारिकताओं से परे जाकर सहज रूप में दूसरों से जुड़ता है और जीवन के सरल, मानवीय पक्ष को पुनः अनुभव करता है। World Party Day जैसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि उत्सव केवल व्यक्तिगत खुशी का विषय नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना का प्रतीक है। आधुनिक जीवन में, विशेषकर शहरी परिवेश में, लोग अपने काम और महत्वाकांक्षाओं में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि उनके पास अपने संबंधों के लिए समय ही नहीं बचता। ऐसे में पार्टी एक ऐसा मंच बन जाती है, जहां लोग अपने प्रियजनों, मित्रों और सहकर्मियों के साथ समय बिताकर संबंधों को पुनर्जीवित करते हैं। यह केवल मिलना-जुलना नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करने की प्रक्रिया है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी पार्टी का महत्व अत्यंत गहरा है। लगातार काम करने से उत्पन्न तनाव और मानसिक दबाव व्यक्ति के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता दोनों को प्रभावित करते हैं। सामाजिक आयोजनों में भाग लेने से व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हंसी, संगीत और सामूहिक सहभागिता से शरीर में ऐसे रसायन सक्रिय होते हैं, जो तनाव को कम करते हैं और मन को प्रसन्न बनाते हैं। यही कारण है कि जो लोग नियमित रूप से सामाजिक मेलजोल में भाग लेते हैं, वे अधिक संतुलित, प्रसन्न और आत्मविश्वासी पाए जाते हैं। इस प्रकार पार्टी एक प्रकार की भावनात्मक और मानसिक चिकित्सा का भी कार्य करती है।

पार्टी का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह लोगों के बीच की दूरी को कम करती है। औपचारिक वातावरण में जहां व्यक्ति अपनी भूमिका और पद के कारण सीमित हो जाता है, वहीं अनौपचारिक माहौल उसे खुलकर संवाद करने का अवसर देता है। इससे न केवल आपसी समझ बढ़ती है, बल्कि संबंधों में विश्वास और अपनत्व भी मजबूत होता है।

कार्यस्थलों पर भी यह देखा गया है कि जिन टीमों में आपसी मेलजोल और उत्सव की संस्कृति होती है, वहां सहयोग और समन्वय बेहतर होता है। इससे कार्य की गुणवत्ता और उत्पादकता दोनों में वृद्धि होती है। आज के डिजिटल युग में यह महत्व और भी बढ़ जाता है। तकनीक ने संवाद को आसान जरूर बनाया है, लेकिन उसमें भावनात्मक गहराई कहीं न कहीं कम हो गई है। संदेशों और स्क्रीन तक सीमित संवाद में वह आत्मीयता नहीं होती, जो आमने-सामने मिलने में होती है। ऐसे में पार्टी जैसे अवसर लोगों को वास्तविक रूप से जुड़ने का मौका देते हैं। जब लोग एक साथ बैठते हैं, हंसते हैं और अपने अनुभव साझा करते हैं, तब संबंधों में नई ऊर्जा का संचार होता है। यदि इतिहास की ओर देखा जाए, तो स्पष्ट होता है कि उत्सव और सामूहिक आयोजन मानव सभ्यता का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। प्राचीन काल से ही लोग विशेष अवसरों पर एकत्रित होकर अपनी खुशियों को साझा करते रहे हैं। चाहे वह सामूहिक भोज हों, नृत्य-गान हों या धार्मिक अनुष्ठान—इन सभी का उद्देश्य समाज को एक सूत्र में बांधना रहा है। भारतीय संस्कृति में भी पर्व-त्योहार इसी भावना के प्रतीक हैं, जहां परिवार और समाज मिलकर उत्सव मनाते हैं। यह परंपरा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, बल्कि आधुनिक जीवन में इसकी आवश्यकता और अधिक महसूस की जा रही है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि पार्टी का स्वरूप संतुलित और सार्थक बना रहे। यदि यह केवल दिखावे, अत्यधिक खर्च या असंयम का माध्यम बन जाए, तो इसका मूल उद्देश्य खो जाता है। वास्तविक अर्थ में पार्टी वही है, जो लोगों को जोड़ने का कार्य करे, न कि उन्हें अलग करे। सादगी, सकारात्मकता और सहभागिता ही इसे सार्थक बनाते हैं। आंतरिक पुनरुत्थान का भी माध्यम है। अंततः, पार्टी हमें यह सिखाती है कि जीवन केवल जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं, बल्कि उसे आनंदपूर्वक जीने का भी नाम है। यह हमें याद दिलाती है कि संबंधों को समय देना, उन्हें संजोना और उनके साथ खुशी साझा करना ही जीवन की वास्तविक समृद्धि है। जब लोग साथ आते हैं, हंसते हैं और अपने अनुभव साझा करते हैं, तभी समाज में जीवंतता बनी रहती है। इसलिए पार्टी को केवल एक आयोजन न मानकर, उसे जीवन के संतुलन, मानसिक स्वास्थ्य और मानवीय संबंधों को सशक्त बनाने के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में अपनाना चाहिए। यही दृष्टिकोण इसे सार्थक और स्थायी बनाता है।

हमारी गीता

अर्जुन का वास्तविक प्रश्न

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

मनुष्य का जीवन केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि गहरे प्रश्नों की यात्रा है। जब परिस्थितियां जटिल होती हैं, तब यह प्रश्न और तीव्र हो जाता है—क्या सही है, क्या करना चाहिए, और किस उद्देश्य से करना चाहिए? भगवद्गीता इसी द्वंद्व का समाधान प्रस्तुत करती है। यह केवल युद्धभूमि का उपदेश नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला का शाश्वत शास्त्र है।

अर्जुन का प्रश्न यह नहीं था कि 'युद्ध करूं या न करूं'। यदि ऐसा होता, तो उत्तर सरल होता। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने 18 अध्यायों में जो ज्ञान दिया, वह दर्शाता है कि अर्जुन 'श्रेय'—अर्थात् परम कल्याण—की खोज में था। यही कारण है कि गीता का संदेश व्यक्तिगत न रहकर सार्वभौमिक बन गया। अक्सर गीता को केवल कर्मयोग या युद्ध का औचित्य सिद्ध करने वाला ग्रंथ समझ लिया जाता है, जबकि यह जीवन के गहरे प्रश्नों का उत्तर है—जीवन का अर्थ, उसका ध्येय और उसे प्राप्त करने का मार्ग। यह मनुष्य को बाहरी संघर्ष से अधिक आंतरिक संतुलन का महत्व सिखाती है। यह धारणा भी गलत है कि गीता हिंसा सिखाती है। वास्तव में भगवान श्रीकृष्ण मन, इंद्रियों और बुद्धि को संयमित करने का संदेश देते हैं। गीता एक गहन मनोविज्ञान है, जो मनुष्य को आत्मबोध की ओर ले जाती है। इसे 'आत्मविद्या' या 'ब्रह्मविद्या' इसलिए कहा गया है, क्योंकि यह जीवन के परम सत्य को प्रकट करती है। सामान्यतः धर्म 'क्या करना है' और 'क्या नहीं करना है' तक सीमित रहता है, लेकिन गीता धर्म के पीछे छिपे विवेक को सामने लाती है। अर्जुन का संशय भी यही था—मेरा सच्चा धर्म क्या है? गीता इसका उत्तर 'सम्यक दृष्टि' के रूप में देती है, जो सही समझ और निर्णय की क्षमता प्रदान करती है। एक उदाहरण इसे स्पष्ट करता है—यदि

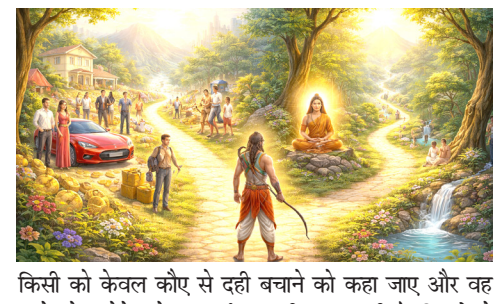

किसी को केवल कौए से दही बचाने को कहा जाए और वह कुत्ते को न रोके, तो यह धर्म का सही पालन नहीं है। नियमों से अधिक आवश्यक है उनका सही अर्थ समझना। गीता मनुष्य को यही विवेक देती है। गीता जीवन का प्रकाश है। यह सिखाती है कि सही दृष्टि होने पर ही सही निर्णय संभव हैं, और यही जीवन

जीवन ऊर्जा | हेलमट कोल : जन्म : 3 अप्रैल 1930 | जन्म

महान कार्य रातों-रात नहीं होते

जर्मनी के एकीकरण के शिल्पी और आधुनिक यूरोप के प्रमुख वास्तुकार, हेलमट कोल का जन्म 3 अप्रैल 1930 को हुआ था। वे 1982 से 1998 तक जर्मनी के चांसलर रहे, जो कि आधुनिक जर्मन इतिहास में किसी भी चांसलर का सबसे लंबा कार्यकाल है। शीत युद्ध की समाप्ति के समय उन्होंने अपनी अद्वितीय राजनीतिक कुशलता से विभाजित जर्मनी को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। वे न केवल एक महान राजनेता थे, बल्कि यूरोपीय संघ और साझा मुद्रा 'यूरो' की स्थापना में भी उनकी भूमिका निर्णायक रही। 16 जून 2017 को उनके निधन के साथ वैश्विक राजनीति के एक विशाल व्यक्तित्व का अंत हुआ, लेकिन एक सशक्त और एकजुट यूरोप के रूप में उनकी विरासत आज भी जीवित है।

विभाजन कभी भी शांति का समाधान नहीं हो सकता, एकता ही प्रगति का एकमात्र मार्ग है। भविष्य उन लोगों का है जो सीमाओं को लांघकर सहयोग के पुल बनाने का साहस रखते हैं। राजनीति का अर्थ केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि इतिहास की दिशा को सकारात्मक रूप से मोड़ना है। यूरोप की एकता केवल आर्थिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि महाद्वीप में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है। एक मजबूत जर्मनी के बिना एक मजबूत यूरोप की कल्पना करना असंभव है। इतिहास हमें अवसर देता है, और एक बुद्धिमान राष्ट्र वही है जो उस अवसर को पहचानकर सही समय पर निर्णय ले। युद्ध की विभीषिका से केवल वही समाज उबर सकता है जो अपनी गलतियों से सीखे और क्षमा की शक्ति में विश्वास रखे। साझा मुद्रा केवल कागज के टुकड़े नहीं, बल्कि साझा विश्वास और भविष्य की पहचान है। नेतृत्व का अर्थ है-कठिन समय में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहना और जनता को एक बड़े लक्ष्य की ओर प्रेरित करना। स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं है जिसे एक बार पाकर सुरक्षित रखा जा सके, इसके लिए निरंतर सजगता और प्रयास की आवश्यकता होती है। जब हम 'हम' की भावना से काम करते हैं, तो कोई भी दीवार या बाधा हमें रोक नहीं सकती।

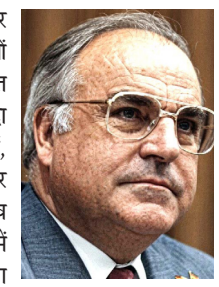

महान कार्य रातों-रात नहीं होते, उनके लिए धैर्य, दृष्टि और अटूट संकल्प की आवश्यकता होती है। न्यायपूर्ण समाज वही है जहां हर नागरिक को अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। शांति कोई स्थायी स्थिति नहीं है, बल्कि इसे हर दिन अपने व्यवहार और नीतियों से निर्मित करना पड़ता है। आने वाली पीढ़ियां हमें इस आधार पर याद रखेंगी कि हमने उन्हें कैसा भविष्य दिया—विवादों वाला या संभावनाओं वाला। संकल्प की शक्ति ही वह ईंधन है जो असंभव लगने वाले सपनों को वास्तविकता में बदल देती है। जीत केवल चुनाव जीतना

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कुश (दर्भ): पवित्रता, परंपरा और आध्यात्मिक विज्ञान

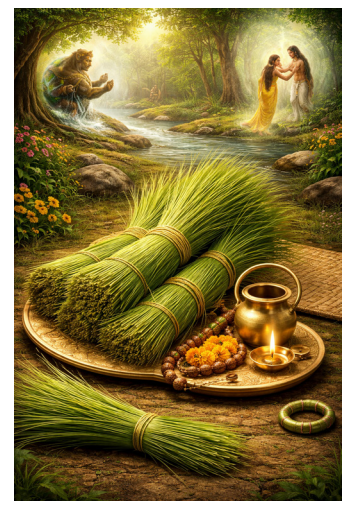

भारतीय सनातन परंपरा में प्रकृति के प्रत्येक तत्व को केवल भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी देखा गया है। इन्हीं में से एक है कुश या दर्भ—एक साधारण दिखने वाली घास, जिसे धर्मग्रंथों में अत्यंत पवित्र स्थान प्राप्त है। कुश को 'पवित्री' भी कहा जाता है, क्योंकि यह शुद्धता और पावनता का प्रतीक मानी जाती है। इसके नुकीले सिरे और विशेष संरचना इसे सामान्य घास से अलग बनाते हैं, और इसे उखाड़ते समय सावधानी बरतनी पड़ती है कि यह जड़ सहित निकले तथा हाथ को क्षति न पहुंचे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुश को विशेष विधि से उखाड़ा जाता है। 'ऊँ हूं फट्' मंत्र का उच्चारण करते हुए उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुख करके इसे ग्रहण करना शुभ माना गया है। शास्त्रों में इसके आकार और उपयोग के भी नियम बताए गए हैं, जो इसकी पवित्रता और वैज्ञानिकता को दर्शाते हैं। भारत में कुश का उपयोग विशेष रूप से पूजा, यज्ञ, श्राद्ध और तर्पण जैसे धार्मिक कर्मकांडों में किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि बिना कुश के श्राद्ध और तर्पण पूर्ण नहीं होते। कुश से बनी अंगूठी (पवित्री) अनामिका उंगली में धारण करने की परंपरा है। इसके पीछे मान्यता है कि यह आध्यात्मिक ऊर्जा को संचित रखने में सहायक होती है और उसे व्यर्थ नहीं जाने देती। कुश की उत्पत्ति के विषय में पौराणिक कथाएं भी प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार इसकी उत्पत्ति भगवान विष्णु के वाराह अवतार के शरीर से गिरे जल से हुई। वहीं एक अन्य कथा में कहा गया है कि जब माता सीता पृथ्वी में समा रही थीं, तब भगवान राम के हाथ में उनके केश रह गए, जो बाद में कुशा के रूप में परिवर्तित हो गए। ये कथाएं कुश के पवित्र और दिव्य स्वरूप को दर्शाती हैं। एक रोचक कथा सांपों की जीभ के दो भागों में बंटने से भी जुड़ी है। कथा के अनुसार, जब गरुड़ अमृत लेकर आए और उसे कुश के आसन पर रखकर स्नान के लिए गए, तब इंद्र उसे उठा ले गए। बाद में सांपों ने कुश पर अमृत की बूंदें समझकर उसे चाटना शुरू किया, जिससे उनकी जीभ बीच से कट गई। इसी कारण सांपों की जीभ द्विखंडित मानी जाती है, और कुश को अमृत-स्पर्श के कारण और भी पवित्र माना गया। धार्मिक अनुष्ठानों में कुश का आसन बिछाकर बैठने की परंपरा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह माना जाता है कि कुश का आसन विद्युत कुचालक की तरह कार्य करता है, जिससे साधना के दौरान उत्पन्न ऊर्जा पृथ्वी में न समा जाए। इस प्रकार यह साधक की आध्यात्मिक शक्ति को सुरक्षित रखता है। कहा जाता है कि कुश के आसन पर बैठकर किया गया मंत्रजप अधिक फलदायी और सिद्धिदायक होता है। वेदों और पुराणों में कुश को औषधीय गुणों से युक्त भी बताया गया है। इसे आयु बढ़ाने वाला, वातावरण को शुद्ध करने वाला और रोगों से रक्षा करने वाला माना गया है। यहां तक कि कुछ ग्रंथों में यह उल्लेख मिलता है कि कुश धारण करने से शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अमावस्या के दिन विशेष रूप से कुश को तोड़कर घर में रखने की परंपरा है। भाद्रपद अमावस्या की कुश को पूरे वर्ष उपयोगी माना जाता है। इस प्रकार कुश केवल एक घास नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और वैज्ञानिक सोच का अद्भुत संगम है, जो आज भी धार्मिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

मोदी ने अपनी नीतियों में थोड़ा संबुलन बनाए रखा होता, तोयह स्थिति इुतनी जल्दी पैदा नहीं होती ।असल में यह डबल इंजन नहीं, डबल गुलामी की सरकार है। PM अमेरिका की गुलामी में हैं और हिमंत, मोदी की ।चाय बागान मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है।

-प्रियंका गांधी
नेता, कांग्रेस

हमको मनमर्जी से बुलाते हैं। लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता। लोकतंत्र दबंग के नाते चलाएंगे, तो ये देश, इस देश के लोग और संसद सहन नहीं करेगी। ऐसी बातें नहीं करना हम मिलकर काम करेंगे, सभी साथ देंगे लेकिन इसे चुनावी मुद्दा मत बनाओ।

-मल्लिकार्जुन खड़गे
अध्यक्ष, कांग्रेस

महिला आरक्षण पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, यह आप भी मानते हैं और हम भी मानते हैं। देश को हमने कमिटमेंट दिया है, पूरा करना हम सबका दायित्व है।

-किरेन रिजिजू
केन्द्रीय मंत्री

वह लगातार बिहार और अन्य जगहों पर बेटियों के शोषण के मुद्दे उठा रहे हैं। इस तरह की बड़ी घटना बिहार में शायद पहले कभी नहीं हुई। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस कांड का स्पीडी ट्रायल कराया जाए और दोषियों को फांसी की सजा दी जाए।

-पप्पू यादव
नेता, कांग्रेस

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

पारिजात रॉयल्स बनी चैंपियन

ठाणे। घोड़बंदर रोड स्थित पारिजात गार्डन सोसाइटी में IPL की तर्ज पर आयोजित दो दिवसीय बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में पारिजात रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेट बैशर्स को हराकर पहला पारिजात क्रिकेट चैंपियनशिप कप अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में आठ टीमों के 64 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जहां हर टीम में 40 वर्ष से अधिक उम्र के एक खिलाड़ी की अनिवार्य भागीदारी रही। टूर्नामेंट का उद्घाटन सीनियर सिटिजन दादा कदम ने किया, जबकि ठाणे के रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर डॉ. संदीप माने और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी कमिश्नर गोडापुरे ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और विजेताओं को सम्मानित किया। डे-नाइट फाइनल में पारिजात रॉयल्स की जीत के साथ प्रीतेश जाधव को प्लेयर ऑफ द सीरीज, प्रतीक जाधव को बेस्ट बैट्समैन, यज्ञेश पांचाल को बेस्ट बॉलर और वेदांत बोडेकर को बेस्ट फील्डर चुना गया, वहीं आयोजन समिति और टीम मालिकों ने पूरे टूर्नामेंट को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

पत्रकारों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

भाईंदर। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मीरा रोड स्थित वॉकहार्ट अस्पताल के ऑडिटोरियम में स्थानीय पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ईसीजी, ब्लड प्रेशर, मधुमेह, नेत्र, हड्डी और फेफड़ों की जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। जांच के बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उपस्थित पत्रकारों को स्वास्थ्य संबंधी सलाह देते हुए बेहतर जीवनशैली अपनाने के सुझाव भी दिए। आयोजकों ने बताया कि लगातार व्यस्त और तनावपूर्ण दिनचर्या के चलते पत्रकार अपने स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते, इसलिए उनकी सेहत को ध्यान में रखते हुए इस पहल को आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पत्रकारों और उनके परिवारजनों ने भाग लेकर लाभ उठाया।

मुंबई लोकल की रफ्तार बढ़ाने की तैयारी

238 नई एसी लोकल और 15 डिब्बों वाली ट्रेनों के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म विस्तार का काम तेज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों को तेज और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम जारी है। केंद्र और राज्य सरकार की मदद से एमआरवीसी के जरिए स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के साथ 238 नई एसी लोकल ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

नई एसी और नॉन-एसी रेक शामिल

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, व्यस्त समय में भीड़ कम करने के लिए 4 नए एसी और 1 नॉन-एसी रेक जोड़े गए हैं। पश्चिमी रेलवे ने इनमें से 2 एसी रेक पहले ही शामिल कर लिए हैं, जिससे कार्यदिवसों में एसी सेवाएं 109 से बढ़कर 133 और सप्ताहांत में 77 से बढ़कर 106 हो गई हैं। 15 डिब्बों वाली लोकल ट्रेनों की संख्या 211 से बढ़कर 227 हो गई है, जिससे अधिक यात्रियों को समायोजित करने में मदद मिल रही है।

बड़े प्रोजेक्ट से मजबूत होगा नेटवर्क

मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए एमयूटीपी-II, एमयूटीपी-III और एमयूटीपी-IIIA जैसी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के तहत नई लाइनों का विस्तार, कॉरिडोर निर्माण और मौजूदा ट्रैक क्षमता बढ़ाने जैसे कई बड़े काम किए जा रहे हैं। इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद मुंबई के यात्रियों को भीड़भाड़ से राहत मिलेगी और यात्रा अधिक सुरक्षित, तेज और आरामदायक हो सकेगी।

प्लेटफॉर्म विस्तार से बढ़ेगी क्षमता

यात्रियों की भीड़ कम करने के लिए 15 डिब्बों वाली अधिक लोकल ट्रेनें चलाने की योजना पर काम तेज हो गया है। इसके तहत मुंबई के 34 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म विस्तार का कार्य शुरू किया गया है, जिससे लंबी रेक आसानी से संचालित हो सकें।

रोजाना 75-80 लाख यात्रियों का सहारा

मुंबई में मध्य और पश्चिम रेलवे मिलकर कुल 3234 उपनगरीय सेवाएं संचालित करते हैं, जिनमें 227 एसी लोकल शामिल हैं। पश्चिम रेलवे 1414 सेवाएं (133 एसी) और मध्य रेलवे 1820 सेवाएं (94 एसी) चलाता है। इन ट्रेनों में रोजाना करीब 75 से 80 लाख यात्री सफर करते हैं।

सुरक्षा के लिए ऑटोमैटिक डोर ट्रेनें

यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आईसीएफ द्वारा स्वचालित दरवाजों वाली 2 नॉन-एसी ईएमयू भी विकसित की जा रही हैं। इससे दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

रिक्शा लाइसेंस का होगा री-इंस्पेक्शन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में ऑटो रिक्शा लाइसेंस और बैच वितरण में अनियमितताओं की शिकायतों के बीच राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने घोषणा की है कि पूरे राज्य में रिक्शा लाइसेंस का री-इंस्पेक्शन किया जाएगा और इसकी रिपोर्ट 1 मई तक सौंपी जाएगी।

मीरा-भायंदर से शुरू होगा अभियान

सरनाईक ने बताया कि यह विशेष जांच अभियान मीरा-भायंदर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र से शुरू किया जाएगा। यहां एक महीने का विशेष कैंप लगाकर सभी रिक्शा लाइसेंस और संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की जाएगी।

फर्जी दस्तावेजों से लाइसेंस जारी होने की शिकायत

बैठक के दौरान विधायक नरेंद्र मेहता ने आरोप लगाया कि मीरा-भायंदर क्षेत्र में फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिए विदेशी नागरिकों को रिक्शा लाइसेंस और बैच जारी किए जा रहे हैं। इस पर मंत्री ने गंभीरता दिखाते हुए पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए।

ऑनलाइन प्रक्रिया के बावजूद गड़बड़ी के संकेत

परिवहन मंत्री ने कहा कि लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया ऑनलाइन है, इसके बावजूद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लाइसेंस मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे मामलों की सख्ती से जांच की जाएगी। राज्य के सभी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस (आरटीओ) को पिछले कुछ वर्षों में जारी किए गए लाइसेंस की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता को उजागर किया जा सके। जांच प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए विशेष कैंप लगाए जाएंगे और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती भी की जाएगी।

367 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड वसूली

एमबीएमसी की बल्ले-बल्ले

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कर वसूली के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 367 करोड़ 58 लाख रुपये अपनी तिजोरी में जमा किए हैं। इसमें जल कर और संपत्ति कर दोनों में रिकॉर्ड वसूली दर्ज की गई है। मनपा ने 31 मार्च तक जल शुल्क वसूली में 98.79 प्रतिशत का रिकॉर्ड हासिल करते हुए 108.41 करोड़ रुपये वसूले। विभाग ने इसे चुनौती के रूप में लेते हुए विशेष अभियान चलाया, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। जल कर के अलावा संपत्ति कर के रूप में 258 करोड़ 48 लाख रुपये की वसूली की गई। दोनों करों को मिलाकर कुल वसूली 367 करोड़ 58 लाख रुपये तक पहुंच गई। आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के मार्गदर्शन में जल आपूर्ति विभाग ने उप अभियंता, शाखा अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, क्लर्क, मीटर रीडर समेत सभी कर्मचारियों की मदद से बकायेदारों की सूची तैयार कर नोटिस जारी किए और वसूली सुनिश्चित की।

बकायेदारों पर सख्ती, 95 कनेक्शन काटे

अभियान के दौरान बकायेदारों के 95 पानी के कनेक्शन काटे गए। साथ ही, 61.17 लाख रुपये के अस्तित्वहीन संपत्तियों के बकाया जल कर को माफ करने का प्रस्ताव भी भेजा गया है।

ऑनलाइन और मोबाइल ऐप से आसान भुगतान

कर विभाग ने भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए वेबसाइट, 'माय एमबीएमसी' मोबाइल ऐप और पीओएस मशीनों की सुविधा उपलब्ध कराई। सार्वजनिक अवकाश और सप्ताहांत पर भी भुगतान केंद्र खुले रखे गए, जिससे चेक रिटर्न की दर न्यूनतम रही। मार्च 2026 में तय 109.74 करोड़ रुपये के जल कर लक्ष्य के मुकाबले 108.41 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जो लक्ष्य के बेहद करीब है।

शहर की सुरक्षा होगी और मजबूत

आपदा प्रबंधन के लिए विशेष अभियान शुरू

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए ठाणे जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक जिले में विशेष 'फैमिलियराइज़ेशन एक्सरसाइज़ प्रोग्राम' आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल के संयुक्त सहयोग से चलाया जा रहा है।

अनुभवी टीम देगी प्रशिक्षण

कार्यक्रम के तहत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के कुल 25 अनुभवी अधिकारी और कर्मचारी जिले में तैनात हैं। इसमें एक राजपत्रित अधिकारी, दो वरिष्ठ अधिकारी और 22 अन्य कर्मचारी शामिल हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में जाकर प्रशिक्षण देंगे। यह टीम ठाणे जिले के विभिन्न महानगरपालिका क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में जाकर स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षित करेगी। निवासी उपजिलाधिकारी डॉ. संदीप माने ने इस कार्यक्रम के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी डॉ. अनीता जवांजल, प्रांताधिकारी और तहसीलदार भी इस प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

स्थानीय स्वयंसेवकों को भी मिलेगा प्रशिक्षण

इस कार्यक्रम में सरकारी अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय स्वयंसेवक, सिविल डिफेंस, पुलिस विभाग और 'आपदा मित्र-सखी' को भी शामिल किया गया है, ताकि आपदा के समय स्थानीय स्तर पर त्वरित और प्रभावी सहायता मिल सके। प्रशिक्षण सत्र जिले के विभिन्न स्थानों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक सत्र में करीब 200 प्रशिक्षु भाग लेंगे।

शीलफाटा और घनसोली के बीच 5 किमी सुरंग की खुदाई पूरी

21 किमी लंबी टनल का काम अंतिम चरण में

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। मुंबई के बीकेसी से ठाणे के शीलफाटा के बीच बन रही 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का काम अब निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। इस सुरंग के 5 किलोमीटर के हिस्से की खुदाई का काम 'न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड' के जरिए सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस 21 किलोमीटर लंबी विशाल सुरंग का 5 किलोमीटर का हिस्सा (जो घनसोली और शीलफाटा के बीच आता है) NATM तकनीक से खोदा जा रहा था, जो अब पूरा हो चुका है। बाकी हिस्सा समुद्र के नीचे और ज़मीन के गहरे अंदर टनल बोरिंग मशीन के जरिए तैयार किया जा रहा है।

पानी से सुरक्षा का कवच

सुरंग के अंदर पानी न रिसे, इसके लिए वॉटरप्रूफिंग गैंट्री की मदद से विशेष 'मेम्ब्रेन' (सुरक्षात्मक परत) लगाई जा रही है। साथ ही, एक आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम भी बनाया जा रहा है, ताकि रिसने वाला पानी सुरक्षित तरीके से सुरंग से बाहर निकाला जा सके और पटरियों को कोई नुकसान न हो।

लोहे का ढांचा और कंक्रीट की मजबूती

सुरंग को स्थायी मजबूती देने के लिए रीइन्फोर्समेंट बार केज (लोहे की छड़ों का जाल) स्थापित किए जा रहे हैं। इसके बाद लाइनिंग गैंट्री मशीन के जरिए अंतिम कंक्रीट की परत चढ़ाई जाती है, जिससे सुरंग को एक चिकनी और चट्टान जैसी मजबूती मिलती है।

मुंबई-अहमदाबाद की दूरी होगी कम

यह 21 किमी लंबी सुरंग बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा है। इसके पूरा होने से बीकेसी (मुंबई) से शीलफाटा (ठाणे) के बीच का रास्ता पूरी तरह भूमिगत हो जाएगा, जिससे ऊपर की ज़मीन और पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए ट्रेन तेज़ रफ्तार से दौड़ सकेगी।

तकनीकी उपकरण और कंट्रोल रूम

सुरंग सिर्फ एक रास्ता नहीं है, बल्कि इसके अंदर ट्रेन के संचालन और रखरखाव के लिए जरूरी बिजली और संचार प्रणालियों हेतु विशेष उपकरण कक्ष भी बनाए जा रहे हैं। ये कमरे सुरंग के भीतर 'मस्तिष्क' की तरह काम करेंगे।

पश्चिम रेलवे का मेजर और जंबो ब्लॉक

बांद्रा-मुंबई सेंट्रल सेक्शन प्रभावित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस–बांद्रा और मुंबई सेंट्रल–माहिम सेक्शन में आवश्यक कार्यों के लिए मेजर और जंबो ब्लॉक लेने की घोषणा की है। इस दौरान रेल सेवाओं और सड़क यातायात पर असर पड़ेगा। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग के अनुसार, कलवर्ट संख्या 22 के ऑगमेंटेशन कार्य के लिए 5वीं लाइन पर 4 अप्रैल 2026 को सुबह 10:00 बजे से 5 अप्रैल 2026 को रात 10:00 बजे तक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। ब्लॉक के दौरान बांद्रा टर्मिनस और बांद्रा के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 18 को सड़क यातायात के लिए पूरी तरह बंद रखा जाएगा, जिससे स्थानीय आवागमन प्रभावित हो सकता है।

मुंबई सेंट्रल–माहिम के बीच जंबो ब्लॉक

ट्रैक, सिग्नलिंग और ओवरहेड उपकरणों के रखरखाव के लिए 4/5 अप्रैल 2026 की मध्यरात्रि में 00:15 बजे से 04:15 बजे तक अप और डाउन फास्ट लाइनों पर जंबो ब्लॉक लिया जाएगा। इस अवधि के दौरान फास्ट कॉरिडोर की सभी ट्रेनों को सांताक्रुज़ और चर्चगेट के बीच स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जिससे यात्रा समय बढ़ सकता है।

भक्ति में डूबा मीरा-भाईंदर, हनुमान जन्मोत्सव पर गूंजे जयकारे

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर शहर में महादेव के 11वें रुद्रावतार, श्रीराम भक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव पूरे भक्ति भाव और उत्साह के साथ मनाया गया। जय श्री राम और जय हनुमान के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। हर वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को संकट मोचन हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाने की परंपरा है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजन किए गए। भाईंदर (पश्चिम) स्थित मराठा कालीन राव तलाव मारुती मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। ऐतिहासिक महत्व के कारण इस मंदिर से भक्तों का विशेष लगाव नजर आया। शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में हनुमान जी का भव्य श्रृंगार किया गया और सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मीरा रोड स्थित माँ बगलामुखी शक्ति पीठ में स्थानीय कलाकार विनय शर्मा द्वारा प्रस्तुत संगीतमय सुंदरकांड ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ढोल-मंजीरों की थाप पर श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे। मंदिरों में आए श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। पूरे शहर में भक्ति, उल्लास और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। पंडित रितांशु तिवारी ने कहा कि जहाँ प्रभु श्रीराम का नाम होता है, वहीं हनुमान जी विराजमान होते हैं। उन्होंने बताया कि कलियुग में हनुमान जी चिरंजीवी हैं और सच्चे मन से हनुमान चालीसा का पाठ करने से मानसिक शांति, साहस और संकटों से मुक्ति मिलती है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष किसी प्रभावशाली व्यक्ति से संपर्क बनेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

वृष स्वास्थ्य पर खर्च होगा। लापरवाही न करें। कार्य करते समय चोट लग सकती है। गृहिणियां विशेष ध्यान रखें। जल्दबाजी से बचें। अकारण विवाद हो सकता है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। धनहानि की आशंका है। व्यापार व्यवसाय ठीक चलेगा।

मिथुन कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी के इच्छुक लोगों को जीवनसाथी मिलने के योग हैं। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेशादि सोच-समझकर करें। बाहर लंबी यात्रा की योजना बन सकती है। जीवन सुखमय गुजरेगा। उत्साह व प्रसन्नता रहेंगे।

कर्क शैक्षणिक व शोध इत्यादि रचनात्मक कार्य के परिणाम सुखद मिलेंगे। किसी मांगलिक व आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

सिंह दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। विवाद से बचें। क्रोध न करें। कोई बड़ा काम तथा लंबी यात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पुराने विवादों का समापन होगा। उत्साह व प्रसन्नता की वृद्धि होगी।

कन्या संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। प्रमाद से बचें।

तुला नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। बेरोजगारी दूर होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। व्यापार निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

वृश्चिक लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से आत्मसम्मान कम हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि के योग हैं। जोखिम न लें। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। आर्थिक परेशानी रहेगी।

धनु डूबी हुई रकम प्राप्ति की संभावना बनती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। कारोबार में वृद्धि संभव है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बुद्धि के कार्य करें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। रुके काम पूरे होंगे। प्रमाद न करें।

मकर सामाजिक मान-सम्मान प्राप्त होगा। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। लंबी व्यावसायिक यात्रा की योजना बन सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। काम पर पूरा ध्यान दे पाएंगे।

कुंभ योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में अमन-चैन रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। निवेश शुभ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। वाणी में हंसी-मजाक समय व स्थिति को देखकर करें। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। मेहनत अधिक होगी। लाभ में कमी रह सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। फालतू बातों पर ध्यान न दें। व्यापार ठीक चलेगा।

सावधानी, संकेत और गूढ़ उपायों की रहस्यमयी कथा

प्रियंका जैन
97699 94439

वैदिक ज्योतिष में राहु को एक छाया ग्रह माना गया है, लेकिन इसका प्रभाव किसी भी वास्तविक ग्रह से कम नहीं होता। जब राहु जन्म कुंडली के आठवें भाव में स्थित होता है, तब यह व्यक्ति के जीवन में रहस्य, अचानक घटनाएं, गुप्त शक्तियां, भय, मानसिक अस्थिरता और अनदेखी बाधाओं का द्वार खोल देता है। आठवां भाव स्वयं ही आयु, रहस्य, दुर्घटनाएं, गुप्त विद्याएं और परिवर्तन का भाव होता है, और जब यहां राहु प्रवेश करता है तो यह ऊर्जा कई गुना अधिक गूढ़ और जटिल हो जाती है। ऐसे व्यक्ति का जीवन अक्सर सामान्य नहीं होता, बल्कि उसमें अचानक उतार-चढ़ाव, अनिश्चित परिस्थितियां और अदृश्य शक्तियों का प्रभाव देखने को मिलता है। राहु का यह स्थान व्यक्ति को तंत्र, मंत्र, रहस्य और गूढ़ ज्ञान की ओर आकर्षित कर सकता है, लेकिन यदि यह ऊर्जा संतुलित न हो तो भय, भ्रम, स्वास्थ्य समस्याएं और सामाजिक अस्थिरता भी उत्पन्न कर सकती है। विशेष रूप से ज्वर, मानसिक बेचैनी, अकारण डर और जीवन में बार-बार आने वाली रुकावटें इस स्थिति के प्रमुख संकेत माने जाते हैं। ऐसे में केवल ज्योतिषीय समझ ही नहीं, बल्कि कुछ पारंपरिक उपाय और सावधानियां भी आवश्यक हो जाती हैं, जो इस ऊर्जा को संतुलित करने में सहायक मानी जाती हैं। जब किसी व्यक्ति को बार-बार बुखार आता है या ज्वर की स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे केवल शारीरिक कारणों से नहीं, बल्कि राहु की अशुभ स्थिति से भी जोड़ा जाता है। ऐसे में परंपरा के अनुसार जौ को गोमूत्र से शुद्ध कर पानी में प्रवाहित करना एक विशेष उपाय माना गया है। यह क्रिया प्रतीकात्मक रूप से नकारात्मक ऊर्जा को शरीर और जीवन से बाहर निकालने का संकेत देती है। इसी प्रकार चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखना राहु की अशांत ऊर्जा को संतुलित करने का एक सरल लेकिन प्रभावी उपाय माना गया है, क्योंकि चांदी चंद्रमा से जुड़ी होती है और चंद्रमा मन तथा भावनाओं को नियंत्रित करता है। राहु की स्थिति में कोयले का विशेष महत्व बताया गया है। शनिवार के दिन अपने वजन के बराबर कोयला बहते पानी में प्रवाहित करना एक गूढ़ उपाय माना जाता है, जो जीवन की नकारात्मकता, बाधाओं और अदृश्य अवरोधों को दूर करने का प्रतीक है। यह उपाय व्यक्ति के कर्मों और ऊर्जा के संतुलन को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करता है। वहीं सोते समय तकीये के नीचे सौंफ रखना मानसिक शांति और भय से मुक्ति के लिए उपयोगी माना गया है। यह छोटा सा उपाय मन को स्थिर करने और नींद को गहरा बनाने में सहायक होता है। कुछ उपाय ऐसे भी हैं, जो सीधे-सीधे त्याग और संतुलन से जुड़े होते हैं। जैसे बहते पानी में सिक्के और नारियल प्रवाहित करना, जो त्याग, दान और नकारात्मक ऊर्जा के विसर्जन का प्रतीक है।

न्यूज़ ब्रीफ

लखनऊ में 1076 हेल्पलाइन कर्मियों का प्रदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076) से जुड़े कर्मचारियों ने गुरुवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। वेतन भुगतान में अनियमितता और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर 200 से अधिक कर्मचारी सड़क पर उतर आए और जुलूस के रूप में मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने लगे, जिसे पुलिस ने बीच रास्ते में रोक दिया। सुबह करीब 10 बजे कर्मचारी गोमतीनगर स्थित साइबर टॉवर परिसर के बाहर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए लोहिया पथ की ओर बढ़े। जैसे ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के आगे बढ़ने की सूचना मिली, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। हालात को नियंत्रित करने के लिए संगीत नाटक अकादमी के पास बैरिकेडिंग कर कर्मचारियों को आगे बढ़ने से रोका गया। पुलिस के समझाने के बावजूद जब प्रदर्शनकारी नहीं माने, तो उन्हें हटाने के लिए सख्ती बरती गई। इस दौरान कुछ कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मियों को वाहनों में बैठाकर मौके से हटाया गया। प्रदर्शन के चलते लोहिया पथ और समतामूलक क्षेत्र के आसपास यातायात प्रभावित रहा और जाम जैसी स्थिति बन गई। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि नियुक्ति के समय 15 हजार रुपये मासिक वेतन का आश्वासन दिया गया था, जबकि वर्तमान में उन्हें केवल 7 से 8 हजार रुपये तक ही भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा वेतन का नियमित भुगतान भी नहीं हो रहा है।

माता-पिता के बहाने पत्नी की जिम्मेदारी से नहीं बच सकता पति : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि माता-पिता या अन्य पारिवारिक दायित्वों का हवाला देकर पति अपनी पत्नी और बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने एक रेलवे कर्मचारी की याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। याचिकाकर्ता ने इटावा फैमिली कोर्ट द्वारा बढ़ाई गई भरण-पोषण राशि को चुनौती दी थी। फैमिली कोर्ट ने पत्नी के लिए मासिक भरण-पोषण 3,500 रुपये से बढ़ाकर 8,000 रुपये और नाबालिग पुत्र के लिए 1,500 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये निर्धारित किया था। इस आदेश के खिलाफ पति ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। याचिकाकर्ता का तर्क था कि वह रेलवे में ग्रुप-डी कर्मचारी है और उसकी मासिक आय लगभग 55 हजार रुपये है, जिसमें उसे अपने माता-पिता और अविवाहित भाई-बहनों का भी खर्च उठाना पड़ता है। इस कारण उसकी आर्थिक स्थिति पर दबाव है। हालांकि अदालत ने इस दलील को अस्वीकार करते हुए कहा कि उक्त आय भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने के लिए पर्याप्त है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पत्नी का भरण-पोषण पति का प्राथमिक वैधानिक दायित्व है और अन्य पारिवारिक जिम्मेदारियों को आधार बनाकर इससे बचा नहीं जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि भरण-पोषण से जुड़े कानून सामाजिक कल्याण की दृष्टि से बनाए गए हैं।

रामावतार जग्गी हत्याकांड में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

अमित जोगी करें आत्मसमर्पण

- प्रदेश कांग्रेस (जे) कमेटी के अध्यक्ष हैं अमित जोगी
- निचली अदालत द्वारा मिली राहत को किया निरस्त

एजेंसी । बिलासपुर/रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद उच्च न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी को बड़ा झटका दिया है। अदालत की डिवीजन बेंच ने निचली अदालत द्वारा उन्हें दी गई बरी की राहत को निरस्त कर तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है।

सीबीआई ने 11000 पेज की रिपोर्ट प्रस्तुत की

जांच एजेंसी सीबीआई ने अदालत में करीब 11 हजार पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसके आधार पर अमित जोगी के खिलाफ आरोप तय किए गए। अंतिम सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें दोषसिद्धि की श्रेणी में मानते हुए समर्पण का निर्देश दिया। फैसले के बाद अमित जोगी ने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि वे इसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करेंगे। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद वर्मा की खंडपीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अपील पर सुनवाई करते हुए यह निर्णय सुनाया।

28 को मिली थी आजीवन कारावास की सजा

गौरतलब है कि 4 जून 2003 को रायपुर में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और कोषाध्यक्ष रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिससे प्रदेश में व्यापक सनसनी फैल गई थी। वर्ष 2007 में विशेष अदालत ने इस मामले में 28 आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जबकि अमित जोगी को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया था। इस प्रकरण में कुल 31 लोगों को आरोपी बनाया गया था।

क्या था रामावतार जग्गी हत्याकांड?

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड की शुरुआत 4 जून 2003 को हुई, जब रायपुर में दिनदहाड़े नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और कोषाध्यक्ष रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना उस समय प्रदेश की सबसे सनसनीखेज आपराधिक घटनाओं में गिनी गई। रामावतार जग्गी का राजनीतिक और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में प्रभाव था। वे पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के करीबी माने जाते थे और उनके साथ कांग्रेस छोड़कर एनसीपी में शामिल हुए थे। इसके बाद उन्हें छत्तीसगढ़ में पार्टी का कोषाध्यक्ष बनाया गया था।

कुख्यात आशु चड्ढा उर्फ मोंटी ढेर

- निर्यातक से मांगी थी पांच करोड़ रुपये की रंगदारी, दर्ज थे कुल 36 मुकदमे
- एसटीएफ-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मारा गया 50 हजार का इनामी शूटर

एजेंसी । मुरादाबाद

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय आपराधिक नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एसटीएफ और मुरादाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार देर रात एक मुठभेड़ में कुख्यात शार्प शूटर आशु चड्ढा उर्फ मोंटी को मार गिराया। आरोपी उधम सिंह गैंग से जुड़ा था और उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मोंटी हाल ही में मुरादाबाद के एक निर्यातक से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और उन पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहा था।

पीएम हाउस के पास हुई मुठभेड़

बुधवार देर रात सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में पोस्टमार्टम हाउस के पास पुलिस को उसकी मौजूदगी की सूचना मिली। इसके बाद संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी की। पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरता देख आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पश्चिम के कई जिलों में था वांछित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने बताया कि मोंटी मूल रूप से हापुड़ जिले का निवासी था और लंबे समय से संगठित अपराध से जुड़ा हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, उसके खिलाफ गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर और मुरादाबाद समेत कई जिलों में हत्या, रंगदारी और अन्य गंभीर धाराओं में कुल 36 दर्ज थे।

पक्ष रखने का नहीं दिया मौकाः अमित जोगी

- जग्गी हत्याकांड पर फैसले के बाद अमित जोगी की प्रतिक्रिया

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ के चर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में उच्च न्यायालय के ताजा आदेश के बाद जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने फैसले पर आपत्ति जताई है। अदालत ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया है। फैसले के अमित जोगी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने उनके अनुसार पर्याप्त सुनवाई का अवसर दिए ही अन्वेषण ब्यूरो की अपील स्वीकार कर ली।

जोगी को न्याय की उम्मीद

उन्होंने कहा कि निचली अदालत द्वारा पहले ही दोषमुक्त किए जाने के बावजूद उन्हें अब दोषी करार दिया जाना अप्रत्याशित है। जोगी ने इसे अपने साथ "गंभीर अन्याय" बताते हुए कहा कि वे इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देंगे। अमित जोगी ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वे शांतिपूर्वक कानूनी प्रक्रिया का पालन करेंगे।

मुंबई हत्याकांड पर बिहार में उबाल, हाईवे जाम

- शव के घर पहुंचते ही ग्रामीणों ने शुरू किया प्रदर्शन
- धारावी में हुई थी धीरज कुमार ठाकुर की हत्या

एजेंसी । पटना/शिवहर

मुम्बई के धारावी क्षेत्र में युवक की हत्या के बाद बिहार के शिवहर जिले में तनाव बढ़ गया। गुरुवार तड़के जब मृतक का शव उसके पैतृक गांव वैद्यनाथपुर पहुंचा, तो परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। गुस्साए लोगों ने शिवहर-तरियानी-मीनापुर स्टेट हाईवे को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पैसे के मामूली विवाद में की हत्या

परिजनों के मुताबिक, घटना से पहले पैसों को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद आरोपितों ने साजिश के तहत धीरज की हत्या कर दी। विरोध करने पर उसके भाइयों के साथ भी मारपीट की गई, जिसमें वे घायल हो गए। इस मामले में मृतक के भाई नीरज कुमार ठाकुर ने मुम्बई के शाहुनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मुंबई पुलिस पर लापरवाही का आरोप

ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि घटना के बाद न तो कोई अधिकारी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा और न ही जनप्रतिनिधियों ने हालचाल लिया। नाराजगी के चलते लोगों ने शव के साथ सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था, जिसे एंबुलेंस से गांव लाया गया। शव पहुंचते ही स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन को मौके पर पहुंचकर हालात संभालने पड़े। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध जताया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया और इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण शव के साथ सड़क पर बैठ गए और न्याय व मुआवजे की मांग करने लगे।

मिडिल ईस्ट से भागलपुर पहुंचा इंजीनियर का शव

- ईराक-अमेरिकी युद्ध में गई भागलपुर के देवनंदन प्रसाद सिंह की जान

एजेंसी । भागलपुर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान मिसाइल हमले में मारे गए भारतीय इंजीनियर देवनंदन प्रसाद सिंह का पार्थिव शरीर करीब 20 दिन बाद बुधवार देर रात उनके पैतृक निवास मशाकचक पहुंचा। शव के गांव पहुंचते ही आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल गहरा गया और अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग जुट गए।

समुद्र में हमला, घर पहुंचा शव

परिजनों के अनुसार, देवनंदन प्रसाद सिंह एक निजी शिपिंग कंपनी के जहाज पर एडिशनल चीफ इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे। होर्मुज के निकट हुआ मिसाइल हमला बताया गया कि वे ईरान से जहाज लेकर भारत लौट रहे थे, तभी होर्मुज की खाड़ी के निकट उनके जहाज पर मिसाइल हमला हुआ, जिसमें उनकी मौत हो गई।

बजट में धांधली की जांच करेंगे कोषाधिकारी

एजेंसी । जौनपुर

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की कॉपियों के मूल्यांकन कार्य के दौरान जलपान मद में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर जौनपुर जिले में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। शिक्षकों के संगठन की शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने मामले की औपचारिक जांच शुरू करा दी है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने प्रकरण को गंभीर मानते हुए मुख्य कोषाधिकारी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। समानांतर रूप से परिषद स्तर से मिले।

एथलेटिक्स में शीर्ष पर ओडिशा

- ओडिशा ने जीते सात स्वर्ण, छह रजत और छह कांस्य

एजेंसी । जगदलपुर

धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में चल रहे खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की एथलेटिक्स स्पर्धाओं में तीसरे दिन कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए पदकों के लिए जोरदार मुकाबला किया, जिससे प्रतियोगिता का स्तर और रोमांच बढ़ गया। पदक तालिका में ओडिशा ने अपना वर्चस्व बरकरार रखते हुए शीर्ष स्थान बनाए रखा है।

छत्तीसगढ़ ने तीसरे दिन जीते चार पदक

मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए तीसरा दिन संतुलित रहा। टीम ने 1 स्वर्ण और 3 रजत पदक हासिल किए, जिसके चलते वह पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। स्थानीय दर्शकों की मौजूदगी में खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। एक स्वर्ण के साथ महाराष्ट्र को चार पदक अन्य राज्यों में महाराष्ट्र ने 1 स्वर्ण समेत कुल 4 पदक अपने नाम किए, जबकि असम 1 स्वर्ण और 2 कांस्य के साथ तालिका में बना हुआ है। केरल और मध्य प्रदेश ने अब तक रजत और कांस्य पदक तो जीते हैं, लेकिन स्वर्ण पदक का खाता नहीं खुल सका है। तीसरे दिन कुल 24 स्वर्ण, 24 रजत और 24 कांस्य पदकों का वितरण किया गया। प्रतियोगिता अब अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है, जहां आगामी मुकाबलों में पदक तालिका में बदलाव की संभावना बनी हुई है। अब तक ओडिशा 7 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ पहले स्थान पर है।

राप्ती नदी में डूबे चार किशोर

- एनडीआरएफ लगातार चला रही सर्च आपरेशन
- नहाने के लिए किशोरों ने लगाई थी छलांग

एजेंसी । गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में राप्ती नदी में नहाने के दौरान चार किशोरों के डूबने की आशंका ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। खोराबार क्षेत्र के मिर्जापुर गांव स्थित पीपा पुल के पास बुधवार शाम यह हादसा हुआ, जहां पांच किशोर नदी में उतरे थे, लेकिन एक किशोर सुरक्षित बाहर निकल आया।

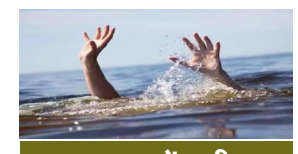

तलाश में जुटी गोताखोरों की टीम

उपजिलाधिकारी सदर दीपक गुप्ता ने इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सूचित कर अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था कराई। इसके बाद एनडीआरएफ की टीमें चारगांवा और वाराणसी से भी बुलाई गईं, जिससे तलाश अभियान को और तेज किया गया।

व्यापार जगत

Airtel: दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

- निजी क्षेत्र की कंपनी एयरटेल के पास कुल 65 करोड़ ग्राहक
- भारत के अलावा कई अफ्रीकी देशों में है एयरटेल का नेटवर्क

एजेंसी । नई दिल्ली

निजी दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए मोबाइल ग्राहक संख्या के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी का स्थान प्राप्त किया है। कंपनी का कुल ग्राहक आधार 65 करोड़ तक पहुंच गया है।

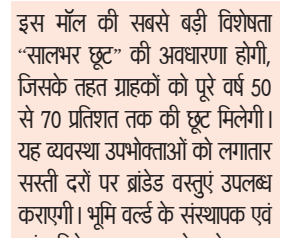

14 अफ्रीकी देशों में फैला नेटवर्क

एयरटेल का संचालन भारत के साथ-साथ अफ्रीका के कई देशों में फैला हुआ है। कंपनी के अनुसार, भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ता हैं, जबकि अफ्रीका के 14 देशों में 17.9 करोड़ से ज्यादा ग्राहक जुड़े हुए हैं। कंपनी ने यह भी बताया कि पारंपरिक बाजारों से आगे बढ़ते हुए वह सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में भी विस्तार कर रही है।

भारत में दूरसंचार कंपनियां की स्थिति

भारत दुनिया के सबसे बड़े दूरसंचार बाजारों में से एक है, जहां मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। वर्तमान में देश में प्रमुख रूप से कुछ बड़ी दूरसंचार कंपनियां सक्रिय हैं, जो अधिकांश उपभोक्ताओं को सेवाएं प्रदान करती हैं। आंकड़ों के मुताबिक रिलायंस जियो के पास लगभग 47–48 करोड़ मोबाइल ग्राहक, भारती एयरटेल – लगभग 36–37 करोड़ मोबाइल ग्राहक, वोडाफोन आइडिया (Vi) – करीब 21–22 करोड़ ग्राहक और बीएसएनएल/एमटीएनएल – लगभग 8–9 करोड़ ग्राहक (संयुक्त) हैं।

समूचे भारत में 120 करोड़ मोबाइल धारक

भारत में कुल मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 115–120 करोड़ के बीच आंकी जाती है, जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के उपयोगकर्ता शामिल हैं। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र मुख्यतः तीन निजी कंपनियों—रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया—के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जबकि बीएसएनएल सरकारी क्षेत्र का प्रमुख ऑपरेटर है। डेटा उपभोग के मामले में भारत विश्व में अग्रणी देशों में शामिल है। 4G के बाद अब 5G सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापार समझौते के चार वर्ष

तेज हुआ द्विपक्षीय कारोबार, निर्यात दोगुना

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) के चार वर्ष पूरे होने पर द्विपक्षीय आर्थिक रिश्तों में उल्लेखनीय मजबूती दर्ज की गई है। इस अवधि में दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों में निरंतर विस्तार देखने को मिला है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय व्यापार 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 19.3 अरब डॉलर दर्ज किया गया है।

अप्रैल 2022 में लागू हुआ समझौता

2 अप्रैल 2022 को हस्ताक्षरित इस समझौते के लागू होने के बाद से भारत के ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2020-21 में जहां निर्यात लगभग 4 अरब डॉलर था, वह बढ़कर 2024-25 में 8.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया, यानी चार वर्षों में दोगुने से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में निर्यात में करीब 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। निवेश और व्यापार को मिला विस्तार मंत्रालय का कहना है कि इस समझौते ने दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करने, बाजार पहुंच को आसान बनाने और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों, निर्यातकों और श्रमिकों को इससे लाभ मिला है। चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने, निवेश सहयोग बढ़ाने और व्यापार विस्तार के नए अवसर तलाशने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। अधिकारियों के अनुसार, आने वाले समय में यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को और नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाएगा।

खजाने में आए 15.52 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने अप्रत्यक्ष कर (इनडायरेक्ट टैक्स) संग्रह के मोर्चे पर अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कुल कर वसूली संशोधित अनुमान (RE) से थोड़ा अधिक रही और निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया गया। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए करीब 15.52 लाख करोड़ रुपये के अप्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा था, जिसमें कस्टम ड्यूटी, उत्पाद शुल्क (एक्साइज) और वस्तु एवं सेवा कर (GST) से होने वाली आय शामिल है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इन सभी मदों में संतोषजनक प्रदर्शन देखने को मिला है।

'आउटलेट मॉल ऑफ इंडिया' का अनावरण

एजेंसी । मुंबई

महाराष्ट्र के खुदरा क्षेत्र में एक नए दौर की शुरुआत करते हुए 'आउटलेट मॉल ऑफ इंडिया' का भव्य अनावरण 31 मार्च 2026 को मुंबई के बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड में किया गया। इस अवसर पर मीडिया, प्रभावशाली व्यक्तित्वों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भिवंडी स्थित भूमि वर्ल्ड में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र का पहला और सबसे बड़ा समर्पित आउटलेट मॉल होगा। यहां 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड अपने स्टोर खोलने के लिए सहमत हो चुके हैं, जिससे यह क्षेत्र का प्रमुख खुदरा केंद्र बनने जा रहा है।

सालभर छूट का अनोखा मॉडल

इस मॉल की सबसे बड़ी विशेषता "सालभर छूट" की अवधारणा होगी, जिसके तहत ग्राहकों को पूरे वर्ष 50 से 70 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को लगातार सस्ती दरों पर ब्रांडेड वस्तुएं उपलब्ध कराएगी। भूमि वर्ल्ड के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक प्रकाश पटेल ने बताया कि महानगरों में अधिक संपत्ति लागत के कारण कंपनियों के लिए अधिक छूट देना कठिन होता है। वहीं भिवंडी जैसे क्षेत्रों में कम लागत के चलते ग्राहकों को वास्तविक छूट मिल सकेगी।

रोजगार और मनोरंजन का नया केंद्र

जिससे मध्यम वर्ग भी ब्रांडेड वस्तुओं की खरीद कर सकेगा। यह परियोजना न केवल खरीदारी के अनुभव को बदलेगी, बल्कि बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। मॉल में आधुनिक मनोरंजन क्षेत्र, भोजन जिससे यह एक ऐसा केंद्र बनेगा जहां लोग पूरा दिन बिता सकेंगे। मुंबई-नासिक राजमार्ग और समृद्धि महामार्ग से जुड़ा यह प्रोजेक्ट मुंबई, ठाणे, पुणे और नासिक के लोगों को आकर्षित करेगा। अनुमान है कि यहां प्रतिदिन 35,000 से अधिक लोगों की आवाजाही होगी। यह मॉल आने वाले समय में राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा देगा।

शुरुआती झटके के बाद 2000 अंक उछला सेंसेक्स

- भारी गिरावट के बाद बाजार की जोरदार वापसी

एजेंसी । नई दिल्ली

शुरुआती कारोबार में तेज गिरावट झेलने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने दिन के दूसरे सत्र में मजबूत वापसी दर्ज की। दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः प्रमुख सूचकांक मामूली बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि इंट्रा-डे स्तर पर सेंसेक्स ने निचले स्तर से 2,000 अंक से अधिक की रिकवरी दिखाई। कारोबार की शुरुआत दबाव में रही और बिकवाली के चलते सेंसेक्स तथा निफ्टी दोनों में दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि दोपहर बाद बाजार में निवेशकों की धारणा सुधरने पर व्यापक खरीदारी देखने को मिली।

2.6 प्रतिशत चढ़ा आईटी इंडेक्स

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी दर्ज की गई और आईटी इंडेक्स करीब 2.6 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा बैंकिंग, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स, मेटल और टेक सेक्टर में भी मजबूती रही। वहीं ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, पीएसयू और ऑयल एंड गैस सेक्टर दबाव में रहे। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी शुरुआती गिरावट के बाद रिकवरी देखने को मिली।

संपत्ति में 15 हजार करोड़ का इजाफा

जिससे सूचकांकों में तेज उछाल आया। अंततः सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,319.55 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 0.15 प्रतिशत मजबूत होकर 22,713.10 अंक पर पहुंच गया। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में करीब 15 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर लगभग 422.16 लाख करोड़ रुपये हो गया। हरे निशान में बंद हुए 45 शेयर कारोबार के दौरान बीएसई में अधिकांश शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि एनएसई पर भी बढ़त वाले शेयरों की संख्या गिरावट वाले शेयरों से अधिक रही। सेंसेक्स हालांकि दोनों सूचकांक अंततः हल्की कमजोरी के साथ बंद हुए। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में करीब 15 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर लगभग 422.16 लाख करोड़ रुपये हो गया। के 30 में से 18 शेयर और निफ्टी के 50 में से 27 शेयर हरे निशान में बंद हुए। दिन के प्रमुख लाभ वाले शेयरों में आईटी कंपनियां प्रमुख रहीं, जबकि ऑटो और कुछ उपभोक्ता कंपनियों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

चेपॉक में पटरी पर लौटना चाहेगी चेन्नई

- सुपर किंग्स का सामना आज अपने गढ़ में पंजाब किंग्स से होगा
- धौनी के बिना खेल रही चेन्नई खाता खोलने के लिए करना होगा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एजेंसी। चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए घरेलू मैदान चेपॉक मजबूत गढ़ रहा है। टीम शुक्रवार को जब पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में उतरेगी तो उसका लक्ष्य जीत के साथ अपना खाता खोलने की होगी।

हालांकि अपने थाला एमएस धौनी की गैरमौजूदगी में चेन्नई को पटरी पर लौटने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।चेन्नई की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। युवा खिलाड़ियों से भरी उसकी टीम गुवाहाटी में बुरी तरह से लड़खड़ा गई थी। उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। टीम अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगी। हाल ही में हुए टी-20 विश्व कप के दौरान चेन्नई की पिच के व्यवहार को को देखते हुए यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होना चाहिए।

संजू करेंगे प्रभावित

चेन्नई के स्टार खिलाड़ी धौनी गुवाहाटी नहीं गए थे क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। उनकी हालांकि पंजाब के खिलाफ मैच के दौरान डगआउट में रहने की संभावना है जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को काफी फायदा मिलेगा। संजू सैमसन चेन्नई के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे। वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे। चेन्नई को राजस्थान के खिलाफ मैच में डेवाल्ड ब्रेविस की सेवाएं नहीं मिल पाई थी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह साइड स्ट्रेन से पूरी तरह उबर चुके हैं या नहीं।

सरफराज नहीं छोड़ पाए इंपैक्ट

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण सरफराज को इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतारा गया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए हालांकि वह सहज नजर आ रहे थे।

नंबर गेम

02 मुकाबले पिछले साल दोनों टीमों के बीच खेले गए थे जिनमें पंजाब किंग्स ने चेन्नई को पराजित किया था

03 पिछले लगातार मुकाबलों में चेपॉक में पंजाब की टीम ने चेन्नई सुपरकिंग्स को शिकस्त दी है

07 सात से चेपॉक स्टेडियम में पंजाब से जीता नहीं है चेन्नई। उसने पिछली जीत 2019 में 22 रन से दर्ज की थी

कोनोली से फिर आस

पंजाब किंग्स ने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद गुजरात के खिलाफ जीत हासिल की। उसे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली के रूप में तीसरे नंबर का भरोसेमंद बल्लेबाज मिल गया है। उन्होंने पिछले मैच में टीम को खराब शुरुआत से उबारकर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने अपने पहले ही मुकाबले में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली थी।वह अपनी यही लय बरकरार रखना चाहेंगे।

आमने-सामने

कुल मैच	: 32
चेन्नई जीता	: 16
पंजाब जीता	: 16

प्रियांश पर अच्छी शुरुआत की जिम्मेदारी

ओपनर प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन की जोड़ी पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने का दारोमदार होगा। पहले मैच में प्रियांश ने निराश किया था। प्रभसिमरन भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे। कप्तान श्रेयस भी रंग में लौटकर अपना योगदान देना चाहेंगे।

महेंद्र सिंह धोनी की ट्रेनिंग का नया वीडियो आया सामने

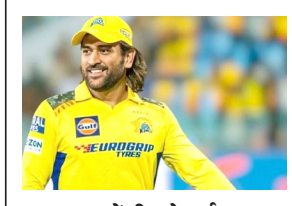

एजेंसी। चेन्नई

महेंद्र सिंह धोनी की ट्रेनिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपरकिंग्स टीम में उनकी जल्दी वापसी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। धोनी चोट के कारण शुरुआती 2 हफ्तों से टूर्नामेंट से बाहर हैं। सीएसके ने बताया था कि वह रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और शुरुआती 4 मैच नहीं खेलेंगे, लेकिन नए वीडियो ने उनकी जल्दी वापसी की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

2023 में भी लगी थी चोट

धोनी हाल के समय में चोटों से परेशान रहे हैं, जिसमें 2023 में CSK के खिताब जीतने के दौरान लगी चोट भी शामिल है। इसके बावजूद उन्होंने निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उस पूरे सीजन में घुटने पर पट्टी बांधकर खेलने के बाद उन्होंने सर्जरी करवाई थी। पिछले साल उन्होंने CSK के लिए सभी 14 मैच खेले और 135.17 की स्ट्राइक रेट से 196 रन बनाए थे।

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज रासी डुसेन ने लिया संन्यास

- 7 महीने से टीम से बाहर थे, बोर्ड ने कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया

एजेंसी। केपटाउन

साउथ अफ्रीका के दिग्गज मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (CSA) ने साल 2026-27 के सीजन के लिए उनके सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू नहीं किया गया था, जिसके बाद 37 साल के खिलाड़ी ने यह फैसला लिया। डुसेन पिछले 7 महीनों से नेशनल टीम का हिस्सा नहीं थे और उन्होंने अपना आखिरी मैच अगस्त 2025 में खेला था। उन्होंने गुरुवार सुबह इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके यह जानकारी दी। घरेलू टीम लायंस के लिए वे खेलते रहेंगे, फ्रैंचाइजी क्रिकेट में भी हिस्सा लेंगे। डुसेन ने लिखा,'भारी मन के साथ मैं इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। प्रोटियाज की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।'

डिविलियर्स की वापसी पर खुलकर रखी थी राय

2019 वर्ल्ड कप के दौरान जब एबी डिविलियर्स ने संन्यास से वापसी की पेशकश की थी, तब डुसेन ने इस मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी थी। उन्होंने स्वीकार किया था कि अगर डिविलियर्स वापस आते, तो इसका सीधा असर उनके चयन पर पड़ता। उस खराब वर्ल्ड कप अभियान में भी डुसेन साउथ अफ्रीका के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। इसके बाद 2023 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भी वे टीम के टॉप स्कोरर में शामिल रहे।

वनडे में डिविलियर्स के बाद सबसे शानदार औसत

रासी वैन डर डुसेन का वनडे करियर बेहद प्रभावी रहा। उन्होंने 71 वनडे मैचों में करीब 52 की औसत से रन बनाए, जो साउथ अफ्रीका के इतिहास में महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है। उन्होंने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक जड़े। खास बात यह रही कि 2019 में अपने डेब्यू के बाद शुरुआती 9 मैचों में ही उन्होंने 5 फिफ्टी लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली थी।

टेस्ट में नहीं लगा सके एक भी शतक

जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट (वनडे और टी-20) में डुसेन का दबदबा रहा, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उनकी कहानी कुछ अधूरी सी रही। उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतक लगाए और एक बार 98 रन पर आउट होकर शतक से चूक गए। 2021-22 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्हें टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था और उसके बाद उन्होंने कोई फर्स्ट क्लास मैच भी नहीं खेला।

वनडे सीरीज के लिए जिम्बाब्वे जाएगी ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस साल सितंबर में वनडे सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम के मुताबिक, ये मैच 15, 18 और 20 सितंबर को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। दिलचस्प रूप से एक दशक लम्बे अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे की धरती पर वनडे सीरीज खेलती हुई नजर आएगी। यह 8 साल के अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे की धरती पर अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलेगी। जिम्बाब्वे में ऑस्ट्रेलिया का आखिरी वनडे मुकाबला 2014 में हुआ था, जबकि उन्होंने 2018 में पाकिस्तान के खिलाफ एक त्रिकोणीय टी-20 सीरीज खेली थी। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे हाल ही में फरवरी में 2026 में टी-20 विश्व कप में आमने-सामने हुई थीं, जिसमें जिम्बाब्वे ने कोलंबो में कंगारू टीम को 23 रनों से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में स्वागत है- गिवमोर माकोनी

जिम्बाब्वे क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर, गिवमोर माकोनी ने ऑस्ट्रेलिया के जिम्बाब्वे लौटने पर अपनी खुशी जाहिर की। इसको लेकर उन्होंने कहा, ₹हमें ऑस्ट्रेलिया का जिम्बाब्वे में फिर से स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह एक बहुत ही रोमांचक वनडे सीरीज होने वाली है।₹ माकोनी ने आगामी वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी के लिए इस तरह के बड़े मैचों के महत्व पर जोर दिया।

आर्सेनल और बायर्न सेमीफाइनल में

एजेंसी। लंदन

मौजूदा चैंपियन आर्सेनल दूसरे चरण में चेल्सी से 1-0 से हारने के बावजूद महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। आर्सेनल ने पिछले सप्ताह क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 3-1 से जीत दर्ज की थी। इस तरह से वह 3-2 के कुल स्कोर के आधार पर अंतिम चार में पहुंच गया है। अब उसका सामना वोल्फ्सबर्ग या लियोनेस में से किसी एक से होगा।स्टैमफोर्ड ब्रिज में खेले गए मैच के स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में स्जोके नुस्केन ने चेल्सी के लिए गोल दागा।

अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम 250 करोड़ लेकर भी केरल नहीं आई

एजेंसी। मलप्पुरम

केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम और दिग्गज स्टार लियोनेल मेसी पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था करने के बावजूद अर्जेंटीना की टीम मैच खेलने नहीं आई। यह धोखा है। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही मुआवजे की भी मांग की जाएगी। इससे केरल के फुटबॉल प्रेमियों को काफी निराशा हुई। अब्दुरहीमान ने एक टीवी चैनल से कहा कि वह वास्तव में चाहते थे कि अर्जेंटीना की टीम और मेसी केरल आएं और राज्य में एक मैच खेलें।

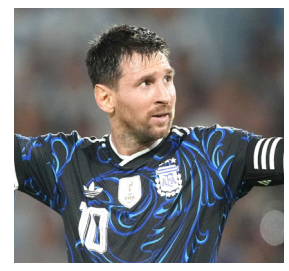

इसके लिए मैंने कई बार बातचीत की थी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टीम को देने के लिए 250 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाने के लिए प्रायोजक ढूंढना आसान काम नहीं था। लेकिन पैसे मिलने के बावजूद अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने हमें धोखा दिया। हमें उनसे ऐसे विश्वासघात की उम्मीद नहीं थी। वादा करने के बावजूद उसकी टीम यहां नहीं आई।

पांच अन्य देशों के साथ भी ऐसा किया

अब्दुरहीमान ने कहा, जब हमने इस संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि अर्जेंटीना ने पांच अन्य देशों के साथ भी ऐसा ही किया था। उन्होंने उन देशों से पैसे तो लिए लेकिन वहां खेलने नहीं गए। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के खिलाफ मामला दर्ज करना होगा। उन्हें हमें मुआवजा देना होगा। हम उनका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे लेकिन उनके व्यवहार से हमें काफी दुख हुआ। इससे केरल के फुटबाल प्रेमियों को निराशा हुई है। मैं कितना निराश हूं इसको मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं।

मार्च में आना था

पिछले साल नवंबर में मंत्री ने कहा था कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम और स्टार स्ट्राइकर मेसी मार्च 2026 में केरल का दौरा करेंगे। मेसी पिछले साल दिसंबर में 14 साल बाद भारत आए थे। इस दौरान उन्होंने कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा किया था।

बॉलीवुड

हनुमान जयंती पर 'वाल्मीकि रामायण' का पोस्टर जारी

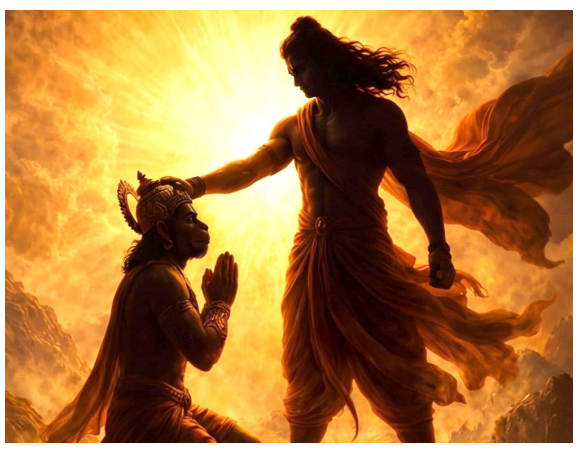

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाल्मीकि रामायण' के निर्माताओं ने एक खास पोस्टर जारी किया है, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस विजुअल में भगवान राम और भगवान हनुमान के बीच भक्ति से भरा एक भावनात्मक क्षण दर्शाया गया है, जो समर्पण और श्रद्धा की गहराई को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है। फिल्म का निर्देशन भावना तलवार कर रही हैं, जो इसे और खास बनाता है। 'वाल्मीकि रामायण' उन चुनिंदा भव्य आध्यात्मिक फिल्मों में शामिल है, जिन्हें एक महिला निर्देशक बड़े पैमाने पर बना रही हैं। यह प्रोजेक्ट महर्षि वाल्मीकि की अमर रचना को संवेदनशील और प्रामाणिक तरीके से पर्दे पर उतारने का प्रयास है। फिल्म की रचनात्मक टीम भी बेहद मजबूत है, जिसमें प्रोडक्शन डिज़ाइनर साबू सिरिल, लेखक आनंद नीलकंठन, सिनेमैटोग्राफर बिनोद प्रधान, साउंड डिज़ाइनर रेसुल पूकुट्टी और संवाद लेखक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी शामिल हैं। यह टीम फिल्म को तकनीकी और भावनात्मक दोनों स्तरों पर भव्य बनाने में जुटी है। 'वाल्मीकि रामायण' 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। नए क्रिएटिव के साथ ही फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है, और इसे एक भव्य सिनेमाई अनुभव के रूप में देखा जा रहा है।

'रामायणम्' की पहली झलक ने जीता दर्शकों का दिल

नमित मल्होत्रा के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'रामायणम्' का बहुप्रतीक्षित टीज़र आखिरकार जारी कर दिया गया है। जिसमें अभिनेता रणवीर कपूर भगवान राम के रूप में पहली बार नजर आए हैं। इसकी पहली झलक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। प्राइम फोकस स्टूडियोज के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं, जबकि निर्माण नमित मल्होत्रा यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के सहयोग से किया जा रहा है। टीज़र में 'राम' के किरदार को एक ऐसे नायक के रूप में प्रस्तुत aजाता है। यह झलक दर्शकों को न केवल पौराणिक कथा की भव्यता से जोड़ती है, बल्कि राम के मानवीय पहलुओं को भी गहराई से सामने लाती है। फिल्म की प्रस्तुति वैश्विक स्तर पर एक साथ की गई, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय दर्शकों का भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। निर्देशक नितेश तिवारी ने कहा कि 'रामायणम्' सिर्फ अच्छाई और बुराई की लड़ाई नहीं, बल्कि इंसानी फैसलों और उनके परिणामों की कहानी है। वहीं रणबीर कपूर ने इस भूमिका को अपने लिए एक सीखने वाला अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि राम की सादगी, पवित्रता और त्याग को समझना उनके लिए बेहद विनम्र और खास सफर रहा है। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने भी 'राम' के किरदार की मूल भावना पर जोर देते हुए कहा कि इस कहानी की असली ताकत जीत में नहीं, बल्कि त्याग में छिपी है। 'रामायणम्' दो भागों में रिलीज होगी, जिसमें पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग 2027 में सिनेमाघरों में आएगा। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी और भव्य परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है।

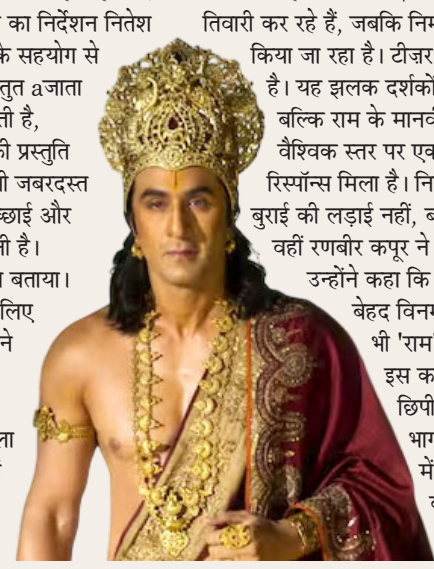

'भूत बंगला' की नई रिलीज डेट तय, मेकर्स ने किया ऐलान

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। निर्माता एकता कपूर ने आधिकारिक तौर पर घोषणा करते हुए बताया कि फिल्म अब 10 अप्रैल के बजाय 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एकता कपूर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि यह फैसला वितरकों और प्रदर्शकों के साथ चर्चा के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में 'धुरंधर 2' की सफलता को देखते हुए रिलीज शेड्यूल में बदलाव किया गया है। साथ ही, दर्शकों के लिए 'भूत बंगला' के पेड प्रिव्यू शोज 16 अप्रैल को रात 9 बजे से शुरू होंगे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव और तब्बू जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर के बाद से फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

'आखरी सवाल' का दमदार टीजर रिलीज

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आखरी सवाल' का दमदार टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर जारी इस टीज़र ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरनी शुरू कर दी है। निखिल नंदा द्वारा निर्मित यह फिल्म अपने संवेदनशील और साहसिक विषय के चलते खास ध्यान खींच रही है। 'आखरी सवाल' का टीज़र इतिहास के उन जटिल और विवादित पहलुओं को छूता है, जिन पर लंबे समय से बहस होती रही है। महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगे प्रतिबंधों से लेकर बाबरी मस्जिद विवाद जैसे मुद्दों को फिल्म में उठाया गया है। टीज़र का अंदाज बेबाक और सीधा है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है और एक नई बहस को जन्म देने का संकेत देता है। फिल्म की कहानी विक्की नाम के एक युवा स्कॉलर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने गुरु प्रोफेसर गोपाल नडकर्णी पर पक्षपात का आरोप लगाता है। एक निजी शैक्षणिक विवाद धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्तर की बहस में बदल जाता है। गुरु-शिष्य के बीच टकराव और सच्चाई की खोज फिल्म का मूल आधार है, जो अंत में एक ऐसे रहस्य से पर्दा उठाती है, जो दोनों के जीवन को बदल सकता है। फिल्म में अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। उत्कर्ष नैथानी द्वारा लिखी गई इस फिल्म का संगीत मोंटी शर्मा ने तैयार किया है। 'आखरी सवाल' 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और अपने विषय के कारण दर्शकों के बीच गंभीर चर्चा का केंद्र बनने की उम्मीद है।

100वीं फिल्म के लिए प्रियदर्शन-मोहनलाल की जोड़ी फिर साथ

प्रियदर्शन अपनी 100वीं फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस खास प्रोजेक्ट में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिलहाल निर्देशक अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' को लेकर व्यस्त हैं, जिसके बाद वह इस नई फिल्म पर काम शुरू करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियदर्शन और मोहनलाल दोनों के व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए फिल्म की शूटिंग दिसंबर 2026 से शुरू करने की योजना बनाई गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म सिर्फ 100वीं फिल्म का जश्न नहीं होगी, बल्कि निर्देशक के लिए एक बेहद व्यक्तिगत और खास कहानी भी होगी। खास बात यह है कि प्रियदर्शन चाहते थे कि उनकी पहली और 100वीं फिल्म का मुख्य अभिनेता एक ही हो। दोनों ने 1984 में रिलीज हुई पूचक्कोरु मूक्कुथी के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं, मोहनलाल जल्द ही 'पैट्रियट' और 'दृश्यम 3' जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

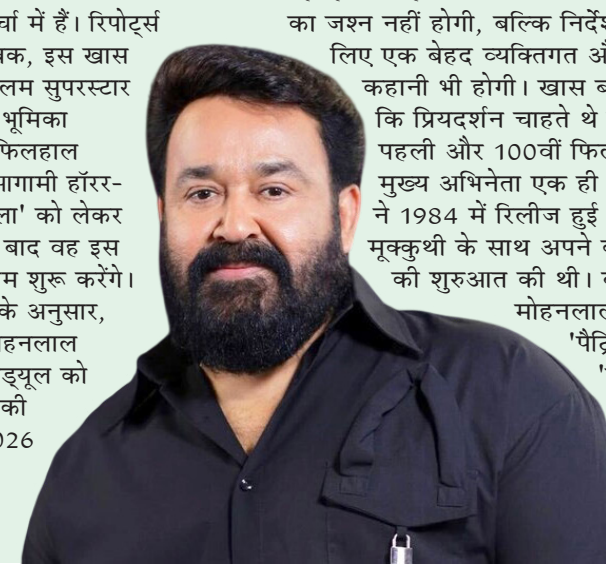

वॉर ब्रीफ

ईरानी सलाहकार खराजी अमेरिकी हमले में घायल, पत्नी की मौत

तेहरान। ईरान के पूर्व विदेश मंत्री और वर्तमान में स्ट्रैटेजिक फॉरेन रिलेशंस काउंसिल के चेयरमैन कमाल खराजी पर अमेरिका ने हमला किया। इस हमले में उनकी पत्नी की मौत हो गई और खराजी गंभीर रूप से घायल हो गए। खराजी पाकिस्तान के साथ सीजफायर वार्ता को लेकर बैकचैनल में संपर्क में थे। खराजी, जो ईरान के सर्वोच्च नेता को विदेश नीति के मामलों में सलाह देते हैं, पिछले कुछ समय से पाकिस्तान के साथ सीजफायर वार्ता को लेकर सक्रिय थे। हालांकि, इस विषय पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कतर ने यूएन में शिकायत की, ईरान पर हमला करने का आरोप

दोहा। कतर ने संयुक्त राष्ट्र में ईरान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कतर का आरोप है कि ईरान ने उसके इलाके पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किए हैं। कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 28 मार्च से 1 अप्रैल के बीच कई हमले हुए, जिनमें एक तेल टैंकर भी निशाना बना। कतर ने इन हमलों को गैरकानूनी बताया और नुकसान की भरपाई की मांग की है।

तेहरान-कराज ब्रिज पर हमला कई लोग घायल

कराज। ईरान की राजधानी तेहरान को कराज शहर से जोड़ने वाले बड़े पुल पर हमला किया गया। यह पुल मिडिल ईस्ट के सबसे ऊंचे पुलों में से एक माना जाता है। इस हमले में कई लोग घायल हो गए। इसके अलावा कराज के अन्य इलाकों पर भी हमले हुए।

होर्मुज को लेकर ब्रिटेन में 35 देशों की बैठक, भारत भी शामिल होगा

लंदन। ब्रिटेन इस हफ्ते 35 देशों की एक बड़ी बैठक आयोजित करने जा रहा है। इस बैठक का मकसद होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने के रास्ते तलाशना है। ब्रिटेन ने इस बैठक के लिए भारत को आमंत्रित किया है। इस बैठक में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल होंगे। इसमें दुनिया के और भी कई बड़े देशों के शामिल होने की संभावना है।

मलेशिया में वर्क फ्रॉम होम, ईंधन बचाने की कोशिश

कुआलालंपुर। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने घोषणा की है कि 15 अप्रैल से सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करना होगा। इसका मकसद ईंधन की खपत कम करना और ऊर्जा बचाना है। सरकार हर महीने करीब 1 अरब डॉलर खर्च करके आम लोगों को सस्ता पेट्रोल और डीजल उपलब्ध कराने के लिए सब्सिडी दे रही है।

अमेरिका-ईरान जंग का फाइनल काउंटडाउन

- ईरान को पाषाण युग में धकेल देंगे : ट्रंप
- धमकी के बाद ईरान अलर्ट, सेना को 'फुल रेडी' का आदेश

एजेंसी । तेहरान

मध्य पूर्व में अमेरिका-ईरान संघर्ष चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों से साफ हो गया है कि ईरान के खिलाफ चलाया जा रहा सैन्य अभियान 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' अभी समाप्त होने वाला नहीं है। ईरान के सैन्य कमांडर-इन-चीफ अमीर हतामी ने गुरुवार को सरकारी मीडिया से बातचीत में कहा कि देश के ऑपरेशनल मुख्यालय को दुश्मन की हर गतिविधि पर अत्यधिक सतर्कता और सटीक नजर रखनी चाहिए।

'पाषाण युग' में वापस भेजने की धमकी

मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर कड़ा रूख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका ईरान को पाषाण युग में पहुंचा देगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस से अपने पहले प्राइमटाइम संबोधन में ये बात कही। ट्रंप के बयान पर पलटवार करते हुए ईरान ने गुरुवार को कहा कि अगर उसकी धरती पर कोई उतरता है तो एक भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 32 दिन की जंग और अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन के बाद ईरान अब कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी सेना ने ईरान में अपने लगभग सभी लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। ईरान पर कड़ा रूख अपनाते हुए कहा कि बमबारी से ईरान को पाषाण युग में पहुंचा देंगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की नौसेना और वायुसेना को नष्ट कर दिया है। ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। हम अगले दो से तीन हफ्तों में ईरान पर कड़ा प्रहार करेंगे। हम उन्हें उस युग में पहुंचा देंगे जहां उन्हें होना चाहिए था। हालांकि ट्रंप ने युद्ध को खत्म करने की कोई ठोस योजना नहीं बताई। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि अमेरिका बहुत जल्दी अपना काम पूरा कर लेगा। अमेरिका के पास सभी पत्ते हैं जबकि ईरान के पास कुछ नहीं।

यूरेनियम- होर्मुज पर चुप्पी

ट्रंप ने संबोधन के दौरान ईरान के यूरेनियम संवर्धन केंद्र और होर्मुज जलडमरूमध्य के मुद्दे जैसे महत्वपूर्ण सवालों पर बात करने से परहेज किया। उन्होंने बस इतना कहा कि युद्ध खत्म होते ही यह मार्ग स्वाभाविक रूप से खुल जाएगा। 19 मिनट के भाषण में ट्रंप ने कोई नई जानकारी नहीं दी। ट्रंप के भाषण से ईंधन की बढ़ती कीमतों और जंग से परेशान आम अमेरिकी नागरिकों को कोई राहत नहीं मिली।

ईरान को फिर से चेताया

ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा, ईरान के नए नेता संतोषजनक बातचीत नहीं करते तो अमेरिका बिजली उत्पादन और तेल ढांचे पर हमले शुरू करेगा। उन्होंने कहा ईरान से बातचीत जारी है लेकिन अगर इस दौरान कोई समझौता नहीं होता तो हमारी नजरें महत्वपूर्ण ठिकानों पर हैं। मालूम हो एक दिन पहले भी ट्रंप ने कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए तेहरान को समझौता करना जरूरी नहीं है।

हमारे हथियार केंद्रों की भनक नहीं

ट्रंप के बयान पर ईरानी सेना के प्रवक्ता ले. कर्नल इब्राहिम जोल्फागरि ने पलटवार करते हुए कहा कि ईरान के पास मिसाइलों और विस्फोटों का पर्याप्त भंडार है। उन्होंने कहा कि जिन केंद्रों या सैन्य ठिकानों पर आपने हमला किया वो ईरान के लिए महत्वहीन हैं। हम जहां हथियार और मिसाइल बना रहे हैं उसकी जानकारी किसी को नहीं है और कोई वहां पहुंच भी नहीं सकता है।

हम असुरक्षित तो दूसरे सुरक्षित नहीं

ट्रंप को बयान पर पलटवार करते हुए ईरान सेना के प्रमुख मेजर जनरल आमीर हतामी ने बयान जारी कर कहा कि हमपर हमला करने वाले नहीं बचेंगे। सरकारी समाचार चैनल पर उन्होंने कहा कि अगर कोई हमारी धरती पर आक्रमण करता है तो हम उसे कड़ा जवाब देंगे। हमारे देश से युद्ध का साया हटना चाहिए। सभी के लिए सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। हम लोग असुरक्षित रहें और दूसरे सुरक्षित ये संभव नहीं।

जनता चाहती है जंग बंद हो

रॉयटर्स और इप्सोस के सर्वेक्षण में सामने आया है कि 60% लोग इस युद्ध से असंतुष्ट हैं। वहीं 35% इसका समर्थन करते हैं। करीब 66% लोगों का मानना है अमेरिका को जल्द से जल्द इस युद्ध से बाहर निकलना चाहिए, भले ही सरकार के लक्ष्य पूरे न हों। लोगों का आकलन है कि ट्रंप के अगले कदम स्पष्ट नहीं हैं। जंग के चलते अमेरिका के साथ पूरी दुनिया को नुकसान हो रहा और इसपर रोक लगनी चाहिए।

ईरानी स्पेशल यूनिट कमांडर की मौत

एजेंसी । तेहरान

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी संघर्ष के बीच ईरान को एक और बड़ा झटका लगा है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की फतेहिन स्पेशल यूनिट के कमांडर मोहम्मद अली फथअलीजादेह की मौत हो गई है। ईरानी सरकारी मीडिया ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 1 अप्रैल को हुए हमलों के दौरान फतेहिन यूनिट के कमांडर फथअलीजादेह मारे गए। ईरान ने इस संघर्ष को 'रमजान का युद्ध' बताया है और उन्हें "शहीद" घोषित किया है। फतेहिन यूनिट IRGC की एक विशेष इकाई है, जिसके जवानों को उन्नत सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। इस यूनिट को पहले सीरिया जैसे संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में भी तैनात किया जा चुका है।

पहले भी कई बड़े अधिकारी मारे जा चुके

इससे पहले मार्च के अंतिम सप्ताह में IRGC नौसेना प्रमुख अलीरेजा तंगसीरी के मारे जाने की खबर सामने आई थी। इसके अलावा बसीज फोर्स के प्रमुख गुलामरेजा सुलेमानी भी हमलों में मारे गए थे। अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और कमांडर निशाने पर आए हैं, जिससे उसकी सैन्य संरचना को लगातार नुकसान पहुंच रहा है।

सऊदी-तुर्की समेत 8 इस्लामी देशों ने खोला मोर्चा

रियाद। ईरान युद्ध के बीच कई इस्लामी देशों ने इजरायल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सऊदी अरब, तुर्की और इंडोनेशिया समेत आठ प्रमुख इस्लामी देशों ने इजरायल की नई कानून को लेकर तीखी आलोचना की है। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने गुरुवार को एक संयुक्त बयान जारी कर कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के लिए मौत की सजा के प्रावधान वाले विधेयक को 'क्षेत्रीय स्थिरता' के लिए खतरा बताया है। सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, कतर, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने कहा कि यह कानून एक खतरनाक बढ़ोतरी है, खासकर फिलिस्तीनी कैदियों के खिलाफ इसके भेदभावपूर्ण इस्तेमाल को देखते हुए। बयान में जोर देकर कहा गया कि ऐसे कदम तनाव को और बढ़ा सकते हैं और क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर कर सकते हैं। संयुक्त बयान में इजरायली कब्जे वाली शक्तियों द्वारा इस कानून को लागू करने की कड़ी निंदा की गई है। मंत्रियों ने चेतावनी दी कि यह कदम फिलिस्तीनियों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देगा और अपार्थाइड जैसी व्यवस्था को मजबूत करेगा। हालांकि, आलोचना करने वाले इन देशों में से अधिकांश खुद अपने यहां मृत्युदंड का इस्तेमाल करते हैं।

16 से 18 अप्रैल तक बुलाया जाएगा संसद का विशेष सत्र

- महिला आरक्षण को लागू कराने के लिए बिल कराया जाएगा पारित

एजेंसी । नई दिल्ली

बजट सत्र के समापन के बीच केंद्र सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित न करने का संकेत दिया है। इसके बजाय 16, 17 और 18 अप्रैल को विशेष सत्र बुलाने की योजना है, जिसमें महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और जरूरी विधेयकों को पारित किया जाएगा।

महिला आरक्षण लागू करने की दिशा में पहल

सूत्रों के मुताबिक, सरकार लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान को लागू करने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक लाने की तैयारी में है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। 28 जनवरी से शुरू हुआ संसद का बजट सत्र 2 अप्रैल को समाप्त होना तय था, लेकिन सरकार इसे कुछ दिनों के अंतराल के बाद दो-तीन दिन के लिए और बढ़ाने पर विचार कर रही है। संभावना है कि दोनों सदनों को फिलहाल स्थगित कर अगली बैठक की तारीख घोषित की जाएगी।

अनिश्चितकाल स्थगन के बजाय तय तारीख पर बैठक

सरकार की योजना संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की बजाय निश्चित तिथि के साथ स्थगित करने की है, ताकि अप्रैल के तीसरे सप्ताह में पुनः सत्र बुलाया जा सके और लंबित विधायी कार्य पूरे किए जा सकें। सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित सत्र के दौरान संविधान संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है, जिसके माध्यम से 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में जरूरी बदलाव किए जाएंगे, ताकि महिला आरक्षण को लागू करने की प्रक्रिया आसान हो सके।

सहमति बनाने में जुटी सरकार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे पर सहमति बनाने के लिए NDA सहयोगियों और कुछ विपक्षी दलों के नेताओं से बातचीत की है। सरकार व्यापक राजनीतिक समर्थन सुनिश्चित करने की कोशिश में है।

लोकसभा सीटों में बड़ा इजाफा प्रस्तावित

वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें हैं, जिन्हें बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव है। इसमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित रखने की योजना है। हालांकि, यह प्रावधान परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू किया जा सकेगा।

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया है। उनकी जगह यह पोस्ट राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल दे दी है। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह जानकारी दी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और AAP को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। 27 फरवरी को जब एक निचली अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में वे लोगों से जुड़े गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे मुद्दे उठा रहे थे।

राहुल गांधी ने जारी किया कांग्रेस का घोषणापत्र

असम विधानसभा चुनाव

एजेंसी । बोकाजान

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इस घोषणा पत्र में शासन, पहचान और स्वास्थ्य जैसे 11 क्षेत्रों पर फोकस किया गया है। यह घोषणा पत्र एक चुनावी रैली के दौरान जारी किया गया, जिसमें राहुल गांधी के साथ असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

घोषणापत्र में 11 क्षेत्रों पर फोकस

घोषणा पत्र में कुल 11 संकल्प शामिल हैं- शासन, पहचान, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा विकास, औद्योगीकरण, कृषि, ग्रामीण और शहरी विकास, जलवायु परिवर्तन और सुरक्षित असम। कांग्रेस ने इससे पहले 29 मार्च को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दौरे के दौरान 'पांच गारंटी' भी जारी की थीं। 126 सदस्यीय असम विधानसभा के लिए मतदान 9 अप्रैल को होगा, जबकि इसके नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

रैली में राहुल गांधी ने क्या कहा?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, असम फूलों का एक गुलदस्ता है, जिसमें अलग-अलग धर्म, जाति और विचारधारा के लोग रहते हैं। कांग्रेस की सोच है- हिंदुस्तान की जनता के हाथ में असली ताकत हो, देश को चलाने में हर वर्ग को भागीदारी मिले। दूसरी तरफ भाजपा की विचारधारा है कि असम को दिल्ली से चलाया जाए- यही लड़ाई चल रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी 244 (ए) लेकर आई थी, क्योंकि हमारी सोच है कि असम को न गुवाहाटी से चलाया जाए और न दिल्ली से। 244 (ए) से असम की जनता को ताकत मिलती है और ये उन्हें फैसले लेने की शक्ति देता है। कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है। कांग्रेस नेता ने कहा, (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) को (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप नियंत्रित करते हैं। ट्रंप सरेआम नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहते हैं। वह कहते हैं- नरेंद्र मुझे सर बुलाते हैं।

पश्चिम बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक, सुको नाराज

एजेंसी । कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में SIR से जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा।

वोटर लिस्ट से नाम कटने पर लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन

दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया। मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित BSF कैंप के सामने भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया।

अगले हफ्ते से फिर आसमान में हुंकार भरेंगे तेजस फाइटर जेट

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के बेड़े में शामिल स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एक बार फिर उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। करीब दो महीने के लंबे इंतजार के बाद अगले हफ्ते से यह विमान आसमान में हुंकार भरते नजर आएंगे। एक फ्रंटलाइन एयरबेस पर हुए हादसे के बाद सुरक्षा के लिहाज से वायुसेना ने तेजस के पूरे बेड़े की उड़ानों पर रोक लगा दी थी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक या प्रबंध संचालक डी के सुनील ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वायुसेना के बेड़े में शामिल सभी 34 तेजस विमानों के सॉफ्टवेयर में आई तकनीकी खामी को पूरी तरह से ठीक कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल से ये सभी विमान फिर से अपनी रूटीन उड़ानों पर लौट आएंगे।

167 करोड़ रुपये में बिकी आईकॉनिक 'यशोदा और कृष्ण' की पेंटिंग

- राजा रवि वर्मा ने एमएफ हुसैन का रिकॉर्ड किया ध्वस्त

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय कला जगत में एक एतिहासिक रिकॉर्ड बना है। मशहूर चित्रकार राजा रवि वर्मा की पेंटिंग 'यशोदा और कृष्ण' अब तक की सबसे महंगी भारतीय पेंटिंग बन गई है, जिसे 167.2 करोड़ रुपये में खरीदा गया। यह पेंटिंग मुंबई में हुई सैफ्रनआर्ट की नीलामी में बेची गई, जहां करीब सात मिनट तक चली तेज बोली के बाद यह रिकॉर्ड कीमत पर पहुंची। इससे पहले सबसे महंगी भारतीय पेंटिंग का रिकॉर्ड एम एफ हुसैन की 'ग्राम यात्रा' के नाम था, जो 118 करोड़ रुपये में बिकी थी।

साइरस पूनावाला ने खरीदी पेंटिंग

इस ऐतिहासिक पेंटिंग को सीरम इंस्टीट्यूट के संस्थापक साइरस एस पूनावाला ने खरीदा है। उन्होंने इसे सिर्फ निजी संग्रह नहीं, बल्कि 'राष्ट्रीय धरोहर' बताया है। पूनावाला ने कहा कि इस पेंटिंग को समय-समय पर जनता के लिए प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि लोग भी इसे देख सकें। उनकी इस खरीद को भारतीय कला बाजार के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। 'यशोदा और कृष्ण' 1890 के दशक की पेंटिंग है, जो भागवत पुराण के एक प्रसंग को दर्शाती है। इसमें मां यशोदा और बाल कृष्ण के बीच का एक भावनात्मक पल दिखाया गया है। इस पेंटिंग में रोशनी और छाया का शानदार इस्तेमाल किया गया है, जो इसे और भी खास बनाता है। कला विशेषज्ञों के अनुसार, यह पेंटिंग भारतीय कला की 'मोनालिसा' जैसी मानी जाती है।

टीएमसी से जुड़ी कंपनी आई-पीएसी के ठिकानों पर तलाशी

- दिल्ली-बंगलूरू-हैदराबाद में ईडी का तलाशी अभियान

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के अनुसार ईडी ने कई शहरों में I-PAC के ठिकानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने बताया कि राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी के कुछ अधिकारियों से जुड़े परिसरों पर नए सिरे से तलाशी अभियान चलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये कार्रवाई दिल्ली, बंगलूरू और हैदराबाद में एक साथ की गई है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच हो रही ईडी की इस कार्रवाई को लेकर राजनीतिक हंगामे के आसार हैं। दरअसल, पिछली बार जब ईडी के अफसर कोलकाता में आई-पैक के ठिकाने पर तलाशी लेने पहुंचे थे, तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वहां पहुंच गई थीं। बता दें कि ईडी ने इससे पहले आठ जनवरी को तृणमूल कांग्रेस के लिए काम करने वाली राजनीतिक परामर्श फर्म I-PAC के दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अफसरों ने तलाशी ली थी। ईडी ने आई-पीएसी के ऑफिस और फर्म के मुखिया प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की थी।